www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

पत्र नहीं; मित्र

संपर्क : deshbandhusgr@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष –10 । अंक–358 । सागर, रविवार 15 फरवरी 2026 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

तर्कपूर्ण निर्णय ही सशक्तता की दिशा तय करते हैं: डॉ. नीरज दुबे — पृष्ठ 2

- संघ-समर्थित बौद्धिक दावों की सीमाएँ
- 'तेरे ख़त आज मैं गंगा में बहा आया हूँ' — पृष्ठ 4

- घर में मिला 45 वर्षीय व्यक्ति का संदिग्ध हालत में शव
- कारी में सामाजिक सौहार्द की मिसाल, संवाद से सुलझा 2 समाजों का विवाद — पृष्ठ 6

रहली -जबलपुर मार्ग पर देर रात एक भीषण दर्दनाक हादसा, छिछारी गांव के तीन नवयुवकों की मौत — पृष्ठ 8

सार-समाचार

म्यूनिख में जी7 के विदेश मंत्रियों से मिले एस जयशंकर

म्यूनिख, एजेंसी। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जी7 समूह के अपने समकक्षों संग अहम बैठक की। यहां उन्होंने भारत के यूएनएससी को सहयोग समेत साझा हितों पर बात की। उन्होंने एक्स कुछ तस्वीरों के साथ पोस्ट लिख इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, म्यूनिख में जी7 के विदेश मंत्रियों से बात करके खुशी हुई। एजेंडे में यूएनएट80 था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए भारत के पूर्ण सहयोग की बात मैंने दोहराई।

माकपा की एसआईआर पर रोक लगाने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने चुनाव आयोग से मतदाता सूची के विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को मनमाना और भेदभावपूर्ण करार देते हुए इसे तत्काल रद्द करने की मांग है। माकपा महासचिव एम ए बेबी ने चुनाव आयोग को सौंपो एक ज्ञापन में एसआईआर प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा है कि उसकी इस मनमानी से सब कुछ अस्त-व्यस्त हो गया है और बड़े स्तर पर लोगों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है।

भारत की कठपुतलियों पर आठ स्मारक डाक टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। डाक विभाग ने 'भारत की कठपुतलियां' विषय पर शुक्रवार को आठ स्मारक डाक टिकटों का एक सेट जारी किया है। डाक विभाग ने शनिवार को बताया कि विभाग की सचिव वंदिता कौल ने समारोहपूर्वक इन टिकटों को जारी किया और कहा कि डाक टिकट हमारे राष्ट्र की विरासत के लघु दूत हैं। भारत की समृद्ध और विविध कठपुतली परंपराओं की विशेषता को दर्शाने वाले इस विशेष अंक के माध्यम से हम उन अमर कहानीकारों को सम्मानित करते हैं जिन्होंने पीढ़ियों से हमारी लोककथाओं, मूल्यों और सामूहिक स्मृति को संरक्षित रखा है।

लक्षद्वीप में मतदाताओं की कुल संख्या 57,607 हुई

कोच्चि, एजेंसी। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के निर्देशों के तहत विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप की वर्ष 2026 की अंतिम फोटो निर्वाचक नामावली प्रकाशित कर दी गई है। यह घोषणा कवरत्ती स्थित मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने की। 1 जनवरी 2026 को अर्हता तिथि मानते हुए यह विशेष पुनरीक्षण अभियान 16 दिसंबर 2025 से 14 फरवरी 2026 तक चलाया गया। पुनरीक्षण अवधि के दौरान प्राप्त दावों और आपत्तियों के निस्तारण के बाद शनिवार, 14 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची जारी की गई।

अंतरराष्ट्रीय सीमा से करोड़ों रुपए की हेरोइन बरामद

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ संयुक्त अभियान में अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट करोड़ों रुपए की हेरोइन बरामद की है। यह नशीला पदार्थ जम्मू के रणबीर सिंह पुरा (आरएस पुरा) सेक्टर में ड्रोन के माध्यम से गिराए जाने की आशंका है। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए जम्मू पुलिस और बीएसएफ ने जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास लगभग 40 करोड़ रुपए मूल्य की बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है कि यह खेप ड्रोन के जरिए गिराई गई थी।

शिवकुमार से कार्ति चिदंबरम ने की मुलाकात

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार से कांग्रेस सांसद कार्ति पी. चिदंबरम ने उनके आवास पर मुलाकात की। शिवकुमार ने इस बैठक को 'सार्थक' बताया और कहा कि इसमें पार्टी की सामूहिक रणनीति को मजबूत करने पर चर्चा हुई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा किए गए अपने संदेश में शिवकुमार ने कहा कि आज मेरे आवास पर सांसद कार्ति पी. चिदंबरम से मुलाकात कर खुशी हुई। वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम और पार्टी के सामूहिक प्रयासों को सशक्त बनाने पर हमारी सार्थक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने पंधाना से सवा करोड़ लाड़ली बहनों को भेजी राशि, बोले-

स्व सहायता समूह की 62 लाख बहनें हुईं आत्मनिर्भर

- खंडवा को मिली 301 करोड़ लागत से निर्मित भाम सिंचाई परियोजना की सौगात

खंडवा/भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बहनें मध्यप्रदेश की लक्ष्मी हैं, अन्नपूर्णा हैं, उनके लिए जितना करें, उतना कम है। बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है। राज्य सरकार बहनों के कल्याण के लिए हर कदम पर साथ खड़ी है। प्रदेश में संचालित 5 लाख स्व-सहायता समूह के माध्यम से अब तक 62 लाख बहनें आत्मनिर्भर हुई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को खंडवा जिले के पंधाना में लाड़ली बहनों को योजना की 33वीं किस्त की सौगात देने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति नारी प्रधान है। राज्य सरकार कपास आधारित उद्योग में काम करेंगी तो उन्हें 5 हजार रुपए महीना अलग से दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनों को प्रशिक्षण मिले, उन्हें स्व-सहायता समूहों से जोड़ा जाए और मेहनत की सही कीमत मिले। बहनें एक बगिया मां के नाम योजना और स्व-सहायता समूहों से जुड़कर अपनी आय बढ़ा रही हैं। हमारी बहनें लखपति दीदी के साथ अब ड्रोन दीदी भी बन रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपए अंतरित किए। इस अवसर पर उन्होंने खंडवा जिले में 301 करोड़ लागत की निर्मित भाम सिंचाई परियोजना, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्रयोगशाला और पंधाना के नवीन शासकीय सांदीपनि विद्यालय का शुभारंभ भी किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उज्जवला गैस योजना में प्रदेश की 25 लाख बहनों को 111 करोड़ की राशि भी निरंतर भेजी जा रही है। कार्यक्रम को खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक छाया गोविंद मोरे ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, विधायक नारायण पटेल, विधायक कंचन तन्वे, खंडवा महापौर अमृता अमर यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी सुदेश वानखेड़े, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दिव्यादित्य शाह, राजपाल तोमर, इन्दौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस महानिरीक्षक श्री अनुराग, कलेक्टर ऋषव गुप्ता, पुलिस उप महानिरीक्षक खण्डवा मनोज कुमार राय उपस्थित थे।

खेती में महिलाओं की भागीदारी से सशक्त होगी अर्थव्यवस्था

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य में दूध का उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। किसानों को भावांतर योजना का लाभ मिला है। गेहूं का समर्थन मूल्य भी 2700 रुपए प्रति क्विंटल मिलेगा। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के लिए फिर से सर्वे कराया जा रहा है, जिससे वंचित पात्र हितग्राहियों को भी पक्के मकान मिल पाएं। राज्य सरकार गांव-गांव तक नल जल योजना से शुद्ध पेय जल उपलब्ध करवा रही है।

प्रेमी-प्रेमिका के शव कार में मिले

- दोनों 13 फरवरी से घर से लापता थे

नोएडा, देशबन्धु। नोएडा में वैलेंटाइन-डे के दिन प्रेमी प्रेमिका की कार लाश मिली। दोनों के शव कार के अंदर फ्रंट सीट पर थे। सुबह साफ-सफाई करने आए लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने टाटा अल्ट्रोज कार का शीशा तोड़कर देखा, तो आगे की सीट पर दोनों के शव पड़े थे। दोनों के सिर में गोली लगी थी। युवक के हाथ में पिस्टल थी। बगल में दो खोखे पड़े थे। प्रेमी-प्रेमिका 13 फरवरी से घर से लापता थे। 26 साल की प्रेमिका रेखा नोएडा के सलारपुर की रहने वाली थी, जबकि प्रेमी सुमित (32) दिल्ली के त्रिलोकपुरी का रहने वाला था। वह मंडल स्तर का क्रिकेटर था। बताया जा रहा है कि दोनों का 15 साल से अफेयर चल रहा था। शादी करने वाले थे, लेकिन किसी बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया। इसके बाद 13 फरवरी को सुमित ने रेखा को मैसेज भेजा- मैं मरने जा रहा हूं। इसकी जिम्मेदार रेखा है। वह मेरे साथ 15 साल रही। वादा किया था कि मुझसे शादी करेगी, लेकिन अब वह किसी और से शादी करने जा रही। मुझे रेखा ने धोखा दिया है। इसलिए मैं सुसाइड कर रहा हूं। इसके बाद वह कार लेकर घर से लापता हो गया। लड़की भी घर से गायब हो गई। लड़की उसके घरवालों ने शुक्रवार को नोएडा के सेक्टर-58 थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

लड़की पक्ष का आरोप कर रहा था परेशान

वहीं लड़की पक्ष के परिजनों ने आरोप लगाया कि रेखा सुमित से प्रेम नहीं करती थी। करीब छह से सात महीने पहले रेखा के कहने पर परिजनों ने सुमित को समझाया। इसके बाद उसने एक लिखित में माफी नामा भी दिया। साथ ही उसकी कई चेट भी सामने आई। परिजनों का आरोप है कि सुमित रेखा को जबरन साथ ले गया। इसके बाद उसने रेखा की हत्या की।

केन्द्रीय केबिनेट : एक लाख करोड़ के शहरी कोष को मंजूरी

- उच्च गुणवत्ता वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर को मिलेगा बढ़ावा
- 25 फीसदी हिस्सा सहायता के रूप में दिया जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने शहरी चुनौती कोष (यूसीएफ) को मंजूरी दे दी है। इसके तहत शहरों में उच्च गुणवत्ता वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण के लिए कुल एक लाख करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता (सीए) दी जाएगी।

बैठक के बाद मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि शहरी चुनौती कोष उच्च गुणवत्ता वाले शहरी बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए बाजार वित्त, निजी भागीदारी और नागरिक-केंद्रित सुधारों का लाभ उठाएगा। इस कोष का उद्देश्य लचीले, उत्पादक, समावेशी और जलवायु-अनुकूल शहरों का निर्माण करना है ताकि शहर देश के आर्थिक विकास के अगले चरण के प्रमुख चालक बन सके। उन्होंने बताया कि इसके तहत शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजना की लागत का 25 प्रतिशत हिस्सा केंद्रीय सहायता के रूप में दिया जाएगा, बशर्ते परियोजना लागत का न्यूनतम 50 प्रतिशत हिस्सा बाजार से जुटाया जाए।

ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे बनेगी सुरंग

असम में ब्रह्मपुत्र नदी से नीचे दो ट्यूब वाली सुरंग बनेगी जिसके एक ट्यूब से सड़क और दूसरी से रेलवे लाइन गुजरेगी। यह सुरंग असम में राष्ट्रीय राजमार्ग 715 पर नुमालीगढ़ और राष्ट्रीय राजमार्ग 15 पर गोहपुर को जोड़ेगी। परियोजना की कुल लंबाई 33.77 किमी और ट्वीन ट्यूब सुरंग की लंबाई 15.79 किमी होगी।

इससे अगले पांच वर्षों में शहरी क्षेत्र में कुल चार लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा।

स्टार्टअप इंडिया फंड 2.0 को भी हरी झंडी

सरकार ने देश में बढ़ते स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए 10 हजार करोड़ रु. के स्टार्टअप इंडिया फंड 2.0 को मंजूरी प्रदान की है। इसका उद्देश्य स्टार्टअप इकाइयों के लिए उद्यम पूंजी कोष को अधिक सुलभ बनाना है। सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि यह योजना भारत के स्टार्टअप सफर के अगले चरण को तेज़ करने के लिए तैयार की गई है। वर्ष 2016 में शुरू की गयी स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत शुरू किए गए इस कोष के बारे में सरकार ने कहा है , ' इस कोष के गठन का उद्देश्य दीर्घकालिक घरेलू पूंजी को आकर्षित करना, वेंचर कैपिटल इकोसिस्टम को मजबूत बनाना और देशभर में नवाचार-आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देना है।'

मतदाता सूची संशोधन के नाम पर बुलाकर हत्या

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। छत्तीस वर्षीय युवक की कथित तौर पर हत्या कर उसका शव के टुकड़े करके नहर में फेंक दिया गया। आरोप है कि उसे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत दस्तावेज जमा करने के बहाने बुलाया गया था। पुलिस के अनुसार, इस मामले में एक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यह वारदात शुक्रवार रात बदुरिया इलाके में हुई। लगातार पूछताछ और तलाशी अभियान के बाद पुलिस ने शुक्रवार रात नहर से मृतक के शरीर के टुकड़े बरामद किये। उसका सिर हालांकि अब तक नहीं मिला है। मृतक की पहचान 36 वर्षीय नासिर अली के रूप में हुई है, जो बदुरिया क्षेत्र के पापिला गांव का निवासी था। बीएलओ रिजवान हसन मंडल उर्फ मोंटू को गिरफ्तार किया गया है, जो पापिला के बूथ नंबर 22 से जुड़ा था। दूसरे आरोपी सागर गाइन को भी हिरासत में लिया गया है।

वकील की अदालत जाते समय गोली मारकर की हत्या

सुनसान इलाके में शव मिलने से आक्रोश

शिवपुरी, देशबन्धु। अदालत जा रहे एक वकील पर अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई और मौके से भाग गए। हमलावरों की गोली लगने से घायल वकील की मौत हो गई। परिजनों ने जमीन विवाद को लेकर हत्या की आशंका जताई है। पुलिस अपराध कायम कर हत्यारों की तलाश में जुट गई है। घटना को लेकर वकीलों सहित पूरे नगर में आक्रोश है। जानकारी के मुताबिक मृतक वकील घिरियाली मोहल्ला पुराना बाजार इलाके के रहने वाले संजय कुमार सक्सेना शिवपुरी जिले की करेरा तहसील में सिविल मामलों के जाने-माने वकील थे। श्री सक्सेना आज सुबह शिवपुरी जिले के करैरा थाना क्षेत्र से होते हुए हर रोज की तरह अदालत जा रहे थे। इसी दौरान पहले से रास्ते में घात लगाए बैठे अज्ञात बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरु कर दी और इसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। हमलावरों ने इस वारदात को करेरा इलाके के किले के पीछे स्थित आनंद सागर मंदिर के पास सुनसान सिद्धन रोड पर अंजाम दिया। अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि वकील की हत्या करने वाले बदमाश किसी वाहन से आए थे अथवा पैदल उन्हें गोली मारकर भाग गए।

वारदात के कुछ देर बाद उसी सड़क से गुजर रहे एक अन्य वकील की नजर सड़क पर गिरे संजय सक्सेना पर पड़ी। उन्होंने तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से संजय को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वारदात की जानकारी होते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। मृतक वकील संजय घिरियाली मोहल्ला पुराना बाजार इलाके के रहने वाले थे। परिजनों ने पुलिस को बताया है कि संजय सक्सेना का कुछ लोगों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते 4 लोगों पर हत्या का शक जताया है। फिलहाल, इस मामले में सीसीटीवी फुटैज खंगाल रही है और मोबाइल लोकेशन और कॉल डिटेल के आधार पर हत्यारों की गिरफ्तारी के प्रयास में है।

महाकाल दर्शन के बाद खाटू श्याम जाते समय हादसा

जबलपुर के 5 श्रद्धालुओं की सड़क दुर्घटना में मौत

जबलपुर/जयपुर, देशबन्धु। शहर के पांच श्रद्धालुओं की खाटू श्याम के दर्शन के लिये जाते समय कार दुर्घटना में मौत हो गई। कोटा-जयपुर नेशनल हाइवे 52 के चाकसू क्षेत्र में शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे ये हादसा घटित हुआ। बताया जा रहा है कि कार चालक को झपकी लगी और कार एक ट्रक में जा घुसी। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गये और उसमें बैठे पांचों लोग फंस गये। घटना के बाद हाइवे पर जाम की स्थिति बन गई। राहगीरों ने तत्काल चाकसू पुलिस थाने में सूचना दी। मौके पर पुलिस ने मोर्चा संभालते हुये तुरंत एम्बुलेंस बुलाई और कार में फंसे लोगों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। वहीं क्रेन से दुर्घटना ग्रस्त कार को हटवाया। चाकसू थाना प्रभारी मनोहर लाल मेघवाल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ड्राइवर को झपकी आने के कारण कार ट्रेलर में जा टकराई। टक्कर के बाद मौके पर ही महिला सहित चार लोगों ने दम तोड़ दिया, जबकि एक युवक ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। थाना प्रभारी ने बताया जांच में मृतक मध्यप्रदेश के जबलपुर निवासी हैं। जिसमें रेशमा श्रीवास्तव 55, पीयूष राय, राहुल रजक, ड्राइवर अनुराग 25 और शानू शामिल हैं। राहुल रजक खेरमाई मंदिर क्षेत्र का रहने वाला है। जानकारी के अनुसार सभी श्रद्धालु 12 फरवरी को उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर महादेव के दर्शन के लिए निकले थे। 13 फरवरी को दर्शन के बाद वे खाटूश्यामजी (सीकर) के दर्शन के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान जयपुर के चाकसू इलाके में यह दर्दनाक हादसा हो गया।

टी-20 विश्व कप: भारत-पाकिस्तान में हाई-वोल्टेज मुकाबला आज

कोलंबो, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच आर प्रेमदासा स्टेडियम में रविवार को टी20 वर्ल्ड कप 2026 का हाई-वोल्टेज मैच खेला जाना है। फैंस मुकाबले को लेकर बेहद उत्साहित हैं, लेकिन बारिश परेशानी का सबब बनी हुई है। रविवार को इस हाई-इंटेंसिटी मैच पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है। मौसम के पूर्वानुमान के मुताबिक रविवार को कोलंबो में बारिश की 76 प्रतिशत आशंका है। शाम के समय आसमान पर 100 प्रतिशत बादल छाए रहने पर यह आशंका घटकर 13 प्रतिशत रह जाएगी। टी20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक कुल 8 मैच खेले गए हैं, जिसमें मेन इन ब्लू का पलड़ा भारी रहा है। टीम इंडिया ने 7 मुकाबले अपने नाम किए हैं, जबकि पाकिस्तान को साल 2021 में इकलौती जीत मिली थी। भारत ने आर प्रेमदासा स्टेडियम में साल 2009 से अब तक 15 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 11 जीते और सिर्फ 4 मुकाबलों में हार मिली।

व्यापार समझौते पर राहुल ने सरकार को फिर घेरा, कहा-

झूठ बोलने में माहिर है मोदी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता कर मोदी सरकार कपास उत्पादक किसान और कपड़ा निर्यातक दोनों को गहरा झटका दिया है। श्री गांधी ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, '18 प्रतिशत टैरिफ बनाम जीरो प्रतिशत-आइए समझाता हूं, कैसे झूठ बोलने में माहिर प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट इस पर भ्रम फैला रहे हैं और किस तरह से वो भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से देश के कपास किसानों और टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'बंगलादेश को अमेरिका में गारमेंट्स निर्यात पर शून्य प्रतिशत टैरिफ का फायदा दिया जा रहा है – शर्त बस इतनी है कि वो अमेरिकी कपास आयात करें। भारत के गारमेंट्स पर 18 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा के बाद जब मैंने संसद में बंगलादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया, तब मोदी सरकार के मंत्री का जवाब आया –'अगर यही फायदा हमें भी चाहिए तो अमेरिका से कपास मंगवानी होगी।' आखिर, ये बात तब तक देश से छुपाई क्यों गई। और, ये कैसी नीति है। क्या यह सचमुच में कोई विकल्प है – या फिर 'आगे कुआं, पीछे खाई' की हालत में फंसाने वाला जाल।' कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर हम अमेरिकी कपास मंगवाते हैं तो हमारे अपने किसान बर्बाद हो जाएंगे। अगर नहीं मंगवाते, तो हमारा टेक्सटाइल उद्योग पिछड़कर तबाह हो जाएगा और अब बंगलादेश यह संकेत दे रहा है कि वह भारत से कपास आयात भी कम या बंद कर सकता है। करोड़ों लोगों की रोज़ी-रोटी इन्हीं पर टिकी है। इन क्षेत्रों पर चोट का मतलब है लाखों परिवारों को बेरोज़गारी और आर्थिक संकट की खाई में धकेल देना। उन्होंने कहा, 'एक दूरदर्शी और राष्ट्रहित में सोचने वाली सरकार ऐसा सौदा करती जो कपास किसानों और कपड़ा एक्सपोर्टर्स –दोनों के हितों की रक्षा और समृद्धि सुनिश्चित करती, लेकिन इसके ठीक उलट, नरेंद्र 'सरेंडर' मोदी और उनके मंत्रियों ने ऐसा समझौता किया है जो दोनों क्षेत्रों को गहरी चोट पहुंचाने वाला साबित हो सकता है।'

प्रधानमंत्री ने ब्रह्मपुत्र पर बने पुल का किया उद्घाटन

गुवाहाटी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ब्रह्मपुत्र नदी पर बने कुमार भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन किया। यह आधुनिक पुल गुवाहाटी को नॉर्थ गुवाहाटी से जोड़ता है और क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नई गति देता है। करीब 2.86 किलोमीटर लंबा यह 6-लेन एक्स्ट्राडोज्ड प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) पुल लगभग 3,030 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हुआ है। यह पूर्वोत्तर भारत का पहला एक्स्ट्राडोज्ड पुल है। इसके चालू होने से गुवाहाटी और उत्तर-गुवाहाटी के बीच यात्रा समय घटकर मात्र 7 मिनट रह जाएगा।

भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए पुल में बेस आइसोलेशन तकनीक का उपयोग किया गया है, जिसमें फ्रिक्शन पेंडुलम बेयरिंग्स लगाए गए हैं। पुल की मजबूती और दीर्घकालिक प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए हाई-परफॉर्मेंस स्टे केबल्स लगाए गए हैं। साथ ही ब्रिज हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम (बीएचएमएस) भी लगाया गया है, जो रियल-टाइम निगरानी, शुरुआती क्षति पहचान और सुरक्षा में सुधार सुनिश्चित करेगा। इससे पहले प्रधानमंत्री ने डिब्रूगढ़ जिले के मोरान में राष्ट्रीय राजमार्ग पर आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (ईएलएफ) का भी उद्घाटन किया। यह पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में अपनी तरह की पहली सुविधा है। उद्घाटन के बाद भारतीय वायु सेना ने भव्य एयर शो प्रस्तुत किया, जिसमें राफेल, सुखोई और मिग लड़ाकू विमान शामिल रहे। इन विमानों ने सफलतापूर्वक हाईवे स्ट्रिप पर उड़ान भरी और लैंडिंग की। अपर असम में स्थित यह सुविधा पूर्वोत्तर में भारत की सैन्य क्षमता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम मानी जा रही है।

सार-समाचार

महाशिवरात्रि पर्व पर वितरित किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की हुई जांच

दमोह, देशबन्धु। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा जांच दल द्वारा बांदकपुर में महाशिवरात्रि पर्व में श्रद्धालुओं एवं कार्यरत स्टाफ को वितरित किये जा रहे भोजन की जांच की गई। बांदकपुर में श्री देव जागेश्वरनाथ मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा श्रद्धालुओं कावड़ियों एवं कार्यरत स्टाफ को निःशुल्क भोजन वितरण की व्यवस्था की गई। बांदकपुर में श्री देव जागेश्वरनाथ मंदिर प्रबंधन समिति के भोजन निर्माण स्थल, भंडारण कक्ष का निरीक्षण किया गया। भोजन निर्माण में इस्तेमाल किये जा रहे कच्चे खाद्य सामग्री आटा, खाद्य तेल, मठा, मसाले, दालें, चावल एवं सब्जियों आदि की गुणवत्ता परखी गई। इसी तरह ग्राम सलैया में श्री देव जागेश्वरनाथ मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा श्रद्धालुओं कावड़ियों को प्रदाय किये जा रहे भोजन की गुणवत्ता जांच की गई। भोजन निर्माण स्थल का निरीक्षण करके शुद्ध एवं सुरक्षित भोजन निर्माण के लिये मौके पर रसोई घर संचालक को निर्देशित किया गया। खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग की निरीक्षण कार्यवाही 14 से 16 फरवरी तक निरंतर जारी रहेगी।

हत्या के प्रयास का फरार मुख्य आरोपी गोपालगंज पुलिस के शिकंजे में

सागर, देशबन्धु। थाना गोपालगंज में पंजीबद्ध अपराध क्र. 562/2025, धारा 296(ए), 115(2), 109(1), 3(5) बीएनएस के प्रकरण में घटना 23 दिसम्बर 2025 से फरार चल रहे मुख्य आरोपी मो. नोमान मंसूरी पिता मोहम्मद फिरोज मंसूरी 19 वर्ष निवासी झूला बाला फर्श शुक्रवारी थाना गोपालगंज को 14 फरवरी 2026 को गोपालगंज पुलिस ने सुनियोजित घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को विधिवत न्यायालय में पेश किया गया। फरियादी फतेह खान पिता फिरोज खान 22 वर्ष निवासी शुक्रवारी वार्डथाना गोपालगंज द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि 23 दिसम्बर 2025 को शाम लगभग 06. 05 बजे आशाराम फर्स कुआं क्षेत्र में आरोपी एवं उसके साथियों ने पुरानी रंजिश तथा सोशल मीडिया पर फोटो अपलोड करने की बात को लेकर उसे रोककर गाली गलौज की। विरोध करने पर आरोपीगण ने जान से मारने की नीयत से चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया, जिससे फरियादी की पीठ में गंभीर चोट आई एवं अत्यधिक रक्तस्राव हुआ। घटना के पश्चात आरोपी मौके से फरार हो गये थे। मेडिकल रिपोर्ट एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर थाना गोपालगंज में संबंधित धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई थी। घटना के बाद आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिये लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। विश्वसनीय सूचना पर थाना प्रभारी गोपालगंज निरीक्षक घनश्याम शर्मा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये क्षेत्र में सुनियोजित घेराबंदी की गई और आरोपी को दबोच लिया गया।

तर्कपूर्ण निर्णय ही सशक्तता की दिशा तय करते हैंः डॉ. नीरज दुबे

बण्डा, देशबन्धु। शास. महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 21वीं सदी का सशक्त भारत उपलब्धियां एवं चुनौतियां विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी के द्वितीय दिवस अकादमिक सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हुये। प्रथम अकादमिक सत्र में डॉ. सुनीता त्रिपाठी प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान, शास. कन्या महाविद्यालय डॉ. संगीता मुखर्जी प्राध्यापक, शास. अग्रणी महाविद्यालय सागर, डॉ. ज्योति मार्टिन प्राचार्य शास. महाविद्यालय ढाना तथा डॉ. नेहा निरंजन प्राध्यापक राजनीति विज्ञान, डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय विवि उपस्थित रही। इस सत्र में सागर एवं छतरपुर विश्वविद्यालयों के 18 शोधार्थियों ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया। डॉ. संगीता मुखर्जी ने बुंदेलखंड के इतिहास को 21वीं सदी के परिप्रेक्ष्य से जोड़ा, वही डॉ. ज्योति मार्टिन ने शासकीय योजनाओं और महिला सशक्तिकरण पर जमीनी स्तर के शोध की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. नेहा निरंजन ने सशक्त विदेश नीति और मजबूत व्यापार नीतियों की विस्तार से व्याख्या की। सत्र अध्यक्ष डॉ. सुनीता त्रिपाठी ने बालिका शिक्षा, प्रशासनिक व स्वरोजगार क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण को रेखांकित किया। द्वितीय अकादमिक सत्र की अध्यक्षता डॉ. एसएम पचौरी पूर्व प्राचार्य शास. महाविद्यालय गढ़ाकोटा ने की तथा विषय विशेषज्ञ के रूप में सर्वेश्वर उपाध्याय उपस्थित रहे। इस सत्र में 13 शोधार्थियों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किये गये। डॉ. उपाध्याय ने शोध पत्रों की गुणवत्ता की सराहना की, जबकि डॉ. पचौरी ने कहा कि सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण, युवाओं की भागीदारी और नवाचारों की श्रृंखला ही वास्तविक सशक्तता है। समापन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. नीरज दुबे अति. संचा., उच्च शिक्षा ने कहा कि तर्कपूर्ण निर्णय समय की मांग हैं और यही निर्णय समाज को सशक्तता की ओर ले जाते हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. आनंद तिवारी प्राचार्य शास. कन्या महाविद्यालय सागर ने भारत की रक्षा नीति और व्यापार विनिमय के सिद्धांतों की वैश्विक स्वीकृति पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. सरोज गुप्ता ने आयोजन की प्रशंसा करते हुये नई पीढ़ी की जिम्मेदारी को रेखांकित किया, वहीं डॉ. भावना यादव ने संगोष्ठी को शोधार्थियों के लिए लाभकारी बताया। अंत में सभी शोधार्थियों को किट एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। संगोष्ठी समन्वयक डॉ. नितीश ओबराइन ने बताया कि दो दिनों में कुल 43 शोध पत्रों का वाचन हुआ तथा 130 शोधार्थियों ने पंजीयन कराया। संस्था प्राचार्य डॉ. कुलदीप यादव ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। संचालन डॉ. अशोक पन्या ने किया एवं आभार डॉ. रूपक जैन ने माना। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्राध्यापक, शोधार्थी एवं महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

हरे माधव सत्संग में उमड़े श्रद्धालु

सागर, देशबन्धु। सिंधी कॉलोनी में गुरदासमल देवघर में शिवरात्रि के पवन अवसर पर निर्मल भोले बजाज परिवार द्वारा हरे माधव सत्संग का आयोजन हुआ जिसमे बाबा ईश्वर शाह ने अपने प्रवचन में फरमाया कि नाम महारस मीठा साधो, अंतर सिमरो अंतर आराधो अर्थात वास्तविक सुख भक्ति में है, बाहरी रस में सुख नहीं है। जीव के भीतर नीरसपन, घट में आकुलता के बादल घिरे रहते हैं। प्यारा सतगुरु ही उस अमृत को देने में समर्थ है। नाम का सिमरन निशदिन करें। सत्संग का नियम रखें और सेवा करें। इस अवसर पर अनिल बजाज, राजेश, विक्की दीपा बजाज, सरिता बजाज, किरण बजाज, माला बजाज, कोमल बजाज, सारा बजाज, मनाली बजाज, रोशनी बजाज, शोभा बजाज, कोमल छाबड़ा, दीपा बोदानी, दिया राजपूत, मोना जुगवानी, जानकी सुंदरानी सहित बड़ी संख्या में महिलायें उपस्थित थी।

वार्षिक महोत्सव उड़ान में बिखरे सांस्कृतिक रंग

खुरई, देशबन्धु। आव्या पब्लिक कॉन्वेंट स्कूल में वार्षिक महोत्सव उड़ान का आयोजन अत्यंत भव्यता, अनुशासन और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। विद्यालय परिसर को आकर्षक सजावट एवं प्रकाश व्यवस्था से सुसज्जित किया गया था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शिक्षा, संस्कार और संस्कृति का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत करते हुये अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जियो के कार्यवाह सीपी रावत रहे। अध्यक्षता आरएस शर्मा बीईओ खुरई ने की। विशेष अतिथि दिनेश दुबे प्राचार्य पॉलिटेक्निक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के डायरेक्टर अमित दुबे, प्राचार्य एवं अन्य गणमान्य नागरिक मंचासीन रहे। विद्यालय की प्राचार्य ने स्वागत उद्बोधन देते हुये विद्यालय की वार्षिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और उड़ान थीम की सार्थकता बताते हुये कहा कि यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों को नई दिशा देने का प्रयास है। उनके प्रभावशाली संबोधन ने पूरे वातावरण में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार किया। विद्यालय के बैंडसेट द्वारा अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया, जिसने कार्यक्रम की गरिमा को और भी बढ़ा दिया। विद्यार्थियों ने अनुशासनबद्ध मार्चपास्ट एवं आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से अतिथियों का अभिनंदन किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में समूह नृत्य, सामाजिक मीडिया के सदुपयोग पर आधारित संदेशात्मक नाटक, महाभारत पर प्रभावशाली अभिनय, पारंपरिक बुंदेली बधाई तथा नन्हे-मुन्ने बच्चों के मनमोहक डांस ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बुंदेलखंड स्टार राघवेंद्र लोधी, शिवम एवं उनकी टीम की उपस्थिति ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ा। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि सीपी रावत ने विद्यालय की प्रशंसा करते हुये कहा कि केवल चार वर्षों में जिस प्रकार विद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, वह अत्यंत सराहनीय है। यह सफलता केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और संस्कार आधारित वातावरण के कारण संभव हो पाई है। आव्या पब्लिक कॉन्वेंट स्कूल ने अल्प समय में ही क्षेत्र में अपनी सशक्त पहचान बनाई है। आरएस शर्मा ने कहा कि विद्यालय द्वारा शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों पर दिया जा रहा विशेष ध्यान विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमाण है। दिनेश दुबे ने भी विद्यार्थियों के आत्मविश्वास एवं मंच प्रस्तुति की सराहना करते हुये विद्यालय परिवार को शुभकामनायें दी। इस अवसर पर शैक्षणिक सत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रैंक होल्डर विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही राज्य एवं संभाग स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित कर पुरस्कार वितरित किये गये। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मंच पर सम्मानित होते देख अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक, नागरिक एवं पत्रकार उपस्थित रहे।

अपहरण-दुष्कर्म मामले में आरोपी को 10 साल की सजा

खुरई, देशबन्धु। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश शोएब खान की अदालत ने अपहरण और रेप के एक मामले में आरोपी सुनील सेन 35 को दोषी ठहराया है। अदालत ने उसे 10 साल के सश्रम कारावास और जुर्माने से दंडित किया। सुनील सेन रायसेन जिले के बेगमगंज थाना क्षेत्र के ग्राम भूरेरू का निवासी है। इस मामले में अपर लोक अभियोजक बलवीर सिंह ने पैरवी की। शास. लोक अभियोजक बलवीर सिंह ठाकुर ने बताया कि यह घटना 8 अप्रैल 2023 की रात की है। पीड़िता अपने घर से लापता हो गई थी, जिसके बाद परिजनों की रिपोर्ट पर खुरई ग्रामीण थाने में गुमशुदगी दर्ज की गई थी। जांच के दौरान पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी सुनील सेन के खिलाफ मामला दर्ज किया। मेडिकल परीक्षण में रेप की पुष्टि हुई थी। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने घटना की गंभीरता को देखते हुये आरोपी के लिये कठोर दंड की मांग की। वहीं बचाव पक्ष ने इसे आरोपी का पहला अपराध बताते हुये न्यायालय से दया की अपील की थी, सभी साक्ष्यों और तथ्यों पर विचार करने के बाद न्यायालय ने आरोपी को धारा 366 के तहत 7 साल का सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये का जुर्माना सुनाया। इसके अलावा धारा 376 (1) के तहत उसे 10 साल का सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। न्यायालय ने यह भी आदेश दिया कि जुर्माना अदा न करने पर आरोपी को प्रत्येक धारा में 6-6 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि दोनों सजायें साथ-साथ चलेंगी।

वास्तविक विकास वही है, जिसमें मानव का विकास सुनिश्चित हो: प्रो. एसपी व्यास

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के स्कूल ऑफ एप्लाइड साइंसेज अंतर्गत व्यवहारिक भूगोल विभाग द्वारा 12 एवं 13 फरवरी को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन गरिमामय एवं शैक्षणिक वातावरण में संपन्न हुआ। देश के विभिन्न राज्यों से आये शिक्षाविदों, विशेषज्ञों एवं शोधार्थियों ने इसमें सहभागिता की। संगोष्ठी में कुल 73 प्रतिनिधियों ने भाग लिया तथा 41 शोधपत्र प्रस्तुत किये गये, जिनमें अधिकांश शोध प्राथमिक आंकड़ों पर आधारित थे। संगोष्ठी का शुभारंभ विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज के उद्घाटन उद्बोधन से हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. वीसी झा ने जलवायु परिवर्तन को मानव सभ्यता के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती बताते हुये भू.स्थानिक तकनीकों और वैज्ञानिक शोध की आवश्यकता पर बल दिया। कुलपति प्रो. वाईएस ठाकुर ने प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर विकास की आवश्यकता को रेखांकित किया। मुख्य वक्ता प्रो. कौशल के शर्मा ने कहा कि यदि विकास मानवीय कल्याण और पर्यावरणीय संतुलन से अलग हो जाये, तो वह वास्तविक विकास नहीं रह जाता। प्रथम दिवस के तकनीकी सत्रों में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय असंतुलन, स्थानीय अर्थव्यवस्था एवं स्वास्थ्य पर आधारित शोधपत्र प्रस्तुत किये गये। वहीं जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य जोखिम विषय पर पैनल चर्चा भी आयोजित हुई। समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. एसपी व्यास ने कहा कि वास्तविक विकास वही है जिसमें मानव का विकास सुनिश्चित हो। सही भूगोल वक्ता नेचर लवर होता है। उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को पर्यावरणीय संतुलन, सामाजिक न्याय और स्वास्थ्य सुरक्षा से जोड़ने पर बल दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन का श्रेय संयोजक डॉ. हेमंत पाटीदार एवं डॉ. सतीश सी, विभागीय प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के समन्वित प्रयासों को दिया गया।

स्कूल 15 दिन से बंद, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित

बीना, देशबन्धु। बीना विकासखंड के भानगढ़ संकुल के अंतर्गत आने वाला शास. प्राथ. स्कूल आमखेड़ा पिछले 15 दिनों से बंद पड़ा है। स्कूल में ताला लटका होने की वजह से यहां पढ़ने वाले 23 बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह रुक गई है और उन्हें मिलने वाला मध्याह्न भोजन भी बंद है। गांव के लोगों का कहना है कि बच्चे रोज तैयार होकर स्कूल जाते हैं, लेकिन वहां ताला देखकर उन्हें वापस घर लौटना पड़ता है। ग्रामीण चंदाबाई यादव और सत्यम यादव ने बताया कि शिक्षकों के न आने से बच्चों का भविष्य बिगड़ रहा है। स्कूल में हेडमास्टर धनीराम अहिरवार और शिक्षिका शिखा राजपूत की ड्यूटी है, लेकिन दोनों ही लंबे समय से गायब हैं। शिक्षिका को दूसरे काम में लगाया गया है, जबकि हेडमास्टर बिना मंजूरी के छुट्टी पर हैं। भानगढ़ संकुल प्रभारी दीपचंद्र चौधरी ने बताया कि हेडमास्टर ने सिर्फ मोबाइल पर मैसेज भेजकर छुट्टी मांगी थी, जिसे मंजूर नहीं किया गया। स्कूल को चालू रखने के लिये संकुल स्तर से दो अन्य शिक्षकों जगभान चढ़ार और चंद्रेश को वहां भेजा गया था। हालांकि संकुल प्रभारी का दावा है कि ग्रामीण ही इन नये शिक्षकों को स्कूल खोलने से रोक रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुये बड़े अधिकारियों को इसकी रिपोर्ट भेज दी गई है। बीना बीआरसी महेंद्र जाट ने बताया कि 31 जनवरी 2026 को जब शिक्षा केंद्र की टीम जांच करने पहुंची थी, तब भी स्कूल दो दिनों से बंद मिला था। इसकी पूरी जानकारी विकास खंड शिक्षा कार्यालय को दे दी गई है ताकि लापरवाह शिक्षकों पर कार्यवाही की जा सके।

शिव पर कांटों के समान चुभने वाली बातें अर्पित कर दें

ध्वजारोहण कर मनाई गई 90 वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती

गौरझामर, देशबन्धु। ब्रह्माकुमारीज के गौरझामर सेवाकेंद्र पर शनिवार को 90 वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती शिव ध्वजारोहण कर मनाई गई। कार्यक्रम में विधायक बृजबिहारी पटेरिया ने कहा कि शिव ही सत्य है, शिव ही सुंदर हैं। आदिदेव, महादेव को कोई बाबा कहते हैं तो कुछ लोग भोलेनाथ कहते हैं। इस दौरान ब्रह्माकुमारी बहनों और विधायक ने शिव ध्वजारोहण किया। साथ ही सभी ने शिव ध्वज के नीचे जीवन से बुराइयों से दूर रहने का संकल्प किया। सागर क्षेत्र की निदेशिका बीके छाया दीदी ने कहा कि महाशिवरात्रि पर्व पर हम शिवालयों में अक-धतूरा, भांग, आदि अर्पित करते हैं। इसके पीछे आध्यात्मिक रहस्य यह है कि जीवन में जो कांटों के समान बुराइयां हैं, गलत आदतें हैं, गलत संस्कार हैं, कांटों के समान बोल, गलत बोल सोच को आज के दिन शिव पर अर्पण कर मुक्त हो जायें। हम दुनिया में देखते हैं कि दान की गई वस्तु वापस नहीं ली जाती है, इसी तरह परमात्मा पर आज के दिन अपने जीवन की कोई एक बुराई जो हमें आगे बढ़ने से रोक रही है, सफलता में बाधक है उसे शिव को सौंपकर मुक्त हो जायें। अपने जीवन की समस्यायें, बोझ उन्हें सौंप दें। फिर आपकी जिम्मेदारी परमात्मा की हो जायेगी। राहतगढ़ से पधारी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नीलम ने कहा कि एक बच्चे का हाथ जब उसके पिता पकड़कर चलते हैं तो वह निश्चिंत रहता है, इसी तरह हम भी यदि खुद को परमात्मा को सौंपकर जीवन में चलते हैं तो सदा निश्चिंत रहते हैं। अपने बुरे विचार, भावनायें, गलत आदतें शिव पर अर्पण करना ही सच्ची शिवरात्रि मनाना है। गौरझामर सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके लक्ष्मी ने कहा कि अपने अंदर के अंधकार को मिटाकर जीवन में ज्ञान की ज्योत जगायें। धर्म का आचरण ड्रेस पहनने से नहीं बन जाता है। उसे जीवन चरित्र में उतारना होगा। जिसे हम युगों-युगों से पुकार रहे थे, जिसकी तलाश में हमने वर्षों तक जप-तप और यज्ञ किये। आज वही भगवान इस धरा पर पुनः अवतरित हो चुके हैं। अपने पांच खोटे सिक्के अर्थात् काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार को प्रभु को अर्पण कर रोज ईश्वर के दर पर एक बार आना अर्थात् भगवान के घर में एक बार जरूर आना। शिव शंकर की झांकी सजाई गई। आकांक्षा लोधी ने शिव तांडव की प्रस्तुति दी। सभी ने नशा मुक्त भारत का लिया संकल्प, साथ ही शिव शंकर की झांकी सहित रैली पुराना बस स्टैंड से बस स्टैंड होते हुये वापिस संस्थान पहुंची। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बीएमसी में नई हीमोडायलिसिस मशीन से किडनी रोगियों को मिली नए जीवन की आशा

सागर, देशबन्धु। बुंदेलखंड अंचल के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि तब जुड़ गई, जब बुंदेलखंड मेडीकल कॉलेज में एक और नई अत्याधुनिक हीमोडायलिसिस मशीन का विधिवत उद्घाटन गरिमामय समारोह में संपन्न हुआ। यह जीवनरक्षक मशीन एक समाजसेवी संस्था टीम के सहयोग से कॉलेज को भेंट की गई है। इस पहल से क्षेत्र के किडनी रोगियों को समयबद्ध, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण डायलिसिस सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के मेडिसिन विभाग द्वारा किया गया, जिसमें मुख्य रूप से मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पांडेय, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अभय तिर्की, डॉ. देवेंद्र अहिरवार, डॉ. मनीष जैन, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, फैकल्टी सदस्य, नर्सिंग स्टाफ, छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे। अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। मंच संचालन के दौरान वक्ताओं ने इस जनहितकारी पहल को समाज और चिकित्सा संस्थान के बीच सशक्त समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। बुंदेलखंड क्षेत्र में क्रॉनिक किडनी डिजीज एवं अन्य गुर्दा संबंधी रोगों के मरीजों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। सीमित डायलिसिस मशीनों के कारण मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ता था, जिससे कई बार स्थिति गंभीर हो जाती थी। नई मशीन के जुड़ने से डायलिसिस यूनिट की क्षमता में वृद्धि होगी और प्रतिदिन अधिक मरीजों का उपचार संभव हो सकेगा। मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पांडेय ने कहा हेमोडायलिसिस मशीन केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि यह उन मरीजों के लिये जीवन का संबल है जो नियमित डायलिसिस पर निर्भर हैं। इस मशीन के माध्यम से हम अधिक मरीजों को समय पर उपचार प्रदान कर पाएंगे। मेडिकल कॉलेज निरंतर स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन के लिये प्रयासरत है और समाज के सहयोग से यह लक्ष्य और भी प्रभावी ढंग से प्राप्त किया जा सकता है। मीडिया प्रभारी डॉ. सौरभ जैन ने बताया कि नई मशीन के प्रारंभ होने से अब मरीजों को दूरस्थ शहरों की ओर रुख करने की आवश्यकता कम होगी। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को सरकारी योजनाओं एवं सामाजिक सहयोग के माध्यम से लाभ मिलेगा। डायलिसिस की प्रतीक्षा सूची में कमी आयेगी और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित उपचार संभव होगा। विशेषज्ञों के अनुसार नियमित और समय पर डायलिसिस मरीजों के जीवन की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार करता है। यह मशीन न केवल उपचार की संख्या बढ़ायेगी, बल्कि सेवा की गुणवत्ता को भी सुदृढ़ करेगी। अंत में कॉलेज के डीन डॉ. पीएस ठाकुर ने भावपूर्ण धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा आज का यह अवसर हमारे लिये अत्यंत गर्व और संतोष का विषय है। बीएमसी में नई हीमोडायलिसिस मशीन का उद्घाटन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का सशक्त उदाहरण है। मैं समाजसेवी संस्था टीम के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूं। आपने जिस भावना से यह मशीन दान की है, वह न केवल प्रेरणादायक है बल्कि समाज के लिये अनुकरणीय भी है।

रात 10 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग प्रतिबंधित रहेगाः एसडीएम

बण्डा, देशबन्धु। आगामी त्योहारों रमजान, होली एवं महाशिवरात्रि को ध्यान में रखते हुये बण्डा एवं पुलिस थाना बरायठा क्षेत्र में शांति समिति की बैठक एसडीएम रवीश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के नागरिक, डीजे संचालक तथा विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुये एसडीएम ने कहा कि डीजे की ध्वनि निर्धारित सीमा से अधिक पाये जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। वर्तमान में बच्चों की परीक्षायें चल रही हैं, इसलिये रात 10 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही किसी प्रकार का दबाव, अवैध गतिविधि या संदिग्ध स्थिति होने पर तत्काल पुलिस प्रशासन को सूचना देने की अपील की गई। बण्डा थाना प्रभारी अंजली उदैनिया ने कहा कि यदि कोई नाबालिग वाहन चलाते हुये पाया जाता है तो उसके विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने नागरिकों से कानून व्यवस्था बनाये रखने, अफवाहों से दूर रहने तथा सभी त्योहारों को आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाने की अपील की। बैठक में श्रीकांत सराफ, रफीक सिद्दीकी, तहसीलदार मोहित जैन सहित अन्य नागरिकों एवं समस्त डीजे संचालकों ने अपने सुझाव प्रस्तुत किये और शांति व्यवस्था बनाये रखने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। स्वयंसेवकों की टीम गठित करने के प्रस्ताव पर भी सकारात्मक सहमति बनी। इसी क्रम में पुलिस थाना बरायठा में भी शांति समिति की बैठक थाना प्रभारी मकसूद अली की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान जुलूस, नमाज, पूजा अर्चना एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रमों में यातायात व्यवस्था, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग तथा कानून व्यवस्था संबंधी नियमों का पालन अनिवार्य रहेगा। शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु विशेष गश्त के साथ संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जायेगी।

विधायक ने दी नरयावली क्षेत्र को 8.31 करोड़ की सौगात

लुहारी 66.37 लाख और हनोता पारीक्षत में 63 लाख से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन

सागर, देशबन्धु। नरयावली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नरयावली मंडल में शनिवार को विधायक प्रदीप लारिया ने क्षेत्र का सघन दौरा करते हुये विभिन्न ग्राम पंचायतों में 8.31 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने जनता को संबोधित करते हुये कहा कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास और बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। दौरे के प्रथम चरण में विधायक लारिया ग्राम लुहारी पहुंचे। यहां उन्होंने 369.74 लाख की लागत से बनने वाले हवला चौराहा-लुहारी स्कूल-जैन मंदिर वाया ग्राम बहेरिया मार्ग का भूमिपूजन किया। 4.20 किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जायेगा, जिससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में बड़ा सुधार होगा। इसके साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत लुहारी में 66.37 लाख के अन्य कार्यों की सौगात दी, जिनमें प्रमुख रूप से प्राथमिक शाला बाउंड्री वॉल हवला एवं पंचायत भवन निर्माण, हवला में 25 लाख की लागत का सामुदायिक भवन, गांव के विभिन्न हिस्सों माता मंदिर से नदी, चक्की मार्ग, ऊधम राय के घर व शंकर जी मंदिर मार्गद्ध में बनी सीसी रोड का लोकार्पण एवं भूमिपूजन संपन्न हुआ। विकास कार्यों के क्रम के बीच विधायक लारिया मदनपुरा पहुंचे, जहां चल रहे बजरंग क्लब कास्को क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन समारोह में उन्होंने शिरकत की। खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुये उन्होंने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। उन्होंने युवाओं से कहा कि खेल हमें अनुशासन और टीम भावना सिखाते हैं। खिलाड़ियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों की मांग पर विधायक ने खेल मैदान में मंच निर्माण के लिये विधायक निधि से एक लाख रूण्की घोषणा की, जिस पर उपस्थित जनसमूह ने करतल ध्वनि से विधायक का अभिनंदन किया। कनेक्टिविटी को मजबूती देते हुये विधायक ने काचरी मार्ग पर क्षेत्रीय जनों की मौजूदगी में काचरी-हवला सड़क का विधिवत लोकार्पण किया। दौरे के अंतिम चरण में विधायक लारिया ग्राम हनोता पारीक्षत पहुंचे, जहां उन्होंने विकास कार्यों की झड़ी लगा दी। यहां उन्होंने कुल 63.29 लाख के कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया। उन्होंने 20 लाख की सीसी रोड, 25 लाख का सामुदायिक भवन, शांति धाम फेंसिंग, घाट निर्माण और निर्मल नीर योजना का भूमिपूजन एवं आदिवासी मोहल्ले में 5 लाख की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन एवं 1.79 लाख की नाली निर्माण कार्य का लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया। विधायक लारिया ने अंजनी माता मंदिर हनोता पारीक्षत की वाउण्ड्रीवाल निर्माण हेतु 1.50 लाख की घोषणा की। इस दौरान भाजपा के पदाधिकारी, सरपंच, स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

सार समाचार

थाने में आरोपी राजेश पटेल ने लगाई फांसी, मौत

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के राजनगर थाना में पुलिस कस्टडी में एक आरोपी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम राजेश पटेल है जो कि इमलया गांव का रहने वाला है। उसे पुलिस ने धारा 151 में गिरफ्तार कर थाने में बंद किया था। थाने में आरोपी द्वारा फांसी लगाने का पता चलते ही पुलिस वालों के हाथ पांव फूल गए। आनन-फानन में उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। थाने के अंदर हुई इस घटना ने पुलिस और सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। घटना की न्यायिक जांच की जा सकती है।

नर्स से बदसलूकी पर मानवाधिकार आयोग ने कलेक्टर, एसपी से मांगा जवाब

छतरपुर, देशबन्धु। जिले में एक नर्स के साथ बदसलूकी करके उस पर थूकने की घटना को संज्ञान में लेकर मध्य प्रदेश मानवाधिकार आयोग ने छतरपुर कलेक्टर और एसपी को नोटिस देकर मामले की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

बता दें कि छतरपुर के जिला अस्पताल में पदस्थ एक महिला नर्स के साथ कुछ युवकों द्वारा अभद्रता की गई थी। युवकों ने नर्स से बदसलूकी करते हुए उस पर थूकने की शर्मनाक घटना को भी अंजाम दिया था। नर्स ने सुरक्षा की कमी और कार्यस्थल पर उत्पीड़न की शिकायत की, तो यह मामला तूल पकड़ गया। मध्य प्रदेश मानवाधिकार आयोग ने इस घटना को गंभीरता से लेकर स्वत: संज्ञान में लेकर कलेक्टर और एसपी को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है। आयोग ने प्रशासन से पूछा है कि कार्यस्थल पर नर्सों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और दोषियों के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई की गई है। इस मामले में वरिष्ठ अधिकारी मौन साधे हैं। उल्लेखनीय है कि छतरपुर जिले में हाल ही में नर्सों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के साथ अभद्रता की अन्य घटनाएं भी दर्ज की गई हैं, जिनमें अपहरण की कोशिश और कार्यस्थल पर हमले जैसी घटनाएं शामिल हैं। इनके कारण स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों में असुरक्षा का डर है।

आग तापते समय झुलसकर महिला की मौत

छतरपुर, देशबन्धु। शहर के ओरछा रोड थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम देरी में शनिवार को सुबह आग तापते समय 55 वर्षीय एक महिला की झुलसकर मौत हो गई है। बताया गया है ग्राम देरी निवासी सोना बाई अहिरवार पत्नी वीरेन्द्र अहिरवर 55 वर्ष शनिवार सुबह खेत के पास बने अपने घर में अलाव लगाकर आग ताप रही थी। तभी अचानक वह बेहोश होकर आग में गिर गई, जिससे वह बुरी तरह से झुलस गई और पास रखे कपड़े भी आग में जल गए थे। गंभीर हालत में उसे तुरंत जिला अस्पताल लाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस अधिकारी उमा परिहार का कहना है मर्ग कायम करके मामले की जांच की जा रही है।

सिंचाई करते समय करंट लगने से महिला की मौत

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के मातगुवां थाना क्षेत्र के ग्राम मातगुवां में शुक्रवार को दोपहर बाद खेत पर

सिंचाई करते समय करंट लगने से 60 वर्षीय महिला की दर्दनाक मौत हो गई है। मृत्यु हो गई। जानकारी के अनुसार मातगुवां निवासी कालिया बाई अहिरवार पत्नी मोतीलाल अहिरवार 60 वर्ष दोपहर में अपने खेत की सिंचाई करने गई थी। पानी का मोटरपंप चालू करते समय एक तार उसकी साड़ी में फंस जाने से उनके पैर में करंट लग गया। जिससे वह वहीं बेहोश होकर गिर पड़ी। इसकी जानकारी मिलने पर उसे तुरंत निजी वाहन से मातगुवां अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने जिला अस्पताल में शव का पीएम कराके परिजन को सौंप दिया है। मर्ग कायम करके मामले की जांच की जा रही है।

3 नगर पालिका, 15 नगर परिषद और 1187 गांवों में आग बुझाने के नहीं सही इंतजाम

आग में खाक हो रही खुशियां, बुझाने के लिए केवल 17 फायर ब्रिगेड

✷ संजय सक्सेना

छतरपुर, देशबन्धु। जिले में आग लगने की घटनाएं आम हो गई हैं। आग लगने से खाक होने वाली खुशियों से प्रशासन न कोई सबक ले रहा, न आग बुझाने के लिए जरुरी संसाधनों को बढ़ाने के बारे में कोई ठोस पहल हो रही है। जिले की 3 नगर पालिका, 13 नगर परिषद और 1187 गांवों में आग बुझाने के लिए केवल 17 फायर ब्रिगेड चालू हैं। ऐसे में आग ओर काबू पाने का काम भगवान भरोसे चल रहा है।

वैसे तो आग लगने की घटनाएं आए दिन होती रहती हैं, मगर हर साल गर्मियों में ये घटनाएं बडी तेजी से बढ जाती हैं। स्पार्किंग, नरवाई जलाने सहित कई अन्य कारणों से रिहायशी इलाकों और बाजारों में जरा सी चिंगारी विकराल आगजनी की वजह बन जाती है। आग में खाक होने वाली लोगों की खुशियों को बचाने के लिए स्थानीय निकायों ने फायर सेफ्टी सिस्टम को प्राथमिकता नहीं दी है। जिले में मौजूद फायर बिग्रेड सुविधा पर नजर डालें, तो पूरे जिले की 3 नगर पालिका, 13 नगर परिषद और 1187 गांवों में आग बुझाने के लिए 20 फायर बिग्रेड हैं, इनमें से 3 खराब पड़ी हैं। केवल 17 फायर ब्रिगेड चालू हालत में हैं, उनमें से भी अधिकांश पुराने मॉडल की हैं। जबकि वर्तमान में जिले की कुल आबादी और भौगोलिक विस्तार के हिसाब से 45 फायर ब्रिगेड की जरुरत है। छतरपुर शहर की आबादी डेढ़ लाख से अधिक होने के बावजूद यहां केवल 3 फायर बिग्रेड हैं। जबकि नौगांव, खजुराहो और राजनगर में दो-दो फायर ब्रिगेड हैं, मगर सभी जगह एक-एक वाहन खराब ही बना रहता है। इनके अलावा जिले के बाकी नगरीय निकायों में केवल एक-एक ही फायर बिग्रेड है। इससे जाहिर है कि जिले में फायर सेफ्टी की वर्तमान स्थिति चिंताजनक ही नहीं, बल्कि खतरे की घंटी भी है।

आग बुझाने की ट्रेनिंग, न उपकरण मिले

जिले में मौजूद अधिकांश फायर बिग्रेड पर प्रशिक्षित कर्मियों की कमी है। अधिकांश फायर ब्रिगेड वाहनों का संचालन नगरीय निकायों के सफाई कर्मचारियों के भरोसे है। इन कर्मचारियों को किसी भी प्रकार की तकनीकी ट्रेनिंग नहीं मिली है। आग बुझाने के दौरान उनके पास सुरक्षा उपकरण तक नहीं होते हैं, न रणनीतिक दिशानिर्देश। ऐसे में आगजनी की बड़ी घटनाओं पर समय रहते काबू पाना नामुमकिन हो जाता है। कई बार तो ये भी देखने में आता है कि आगजनी के वक्त फायर बिग्रेड मौके पर देर से पहुचती है, या फिर दूरी और खराब स्थिति के कारण असहाय साबित होती हैं। यदि फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच भी जाएं तो अकसर या तो पंप चालू नहीं होता है या फिर पाइप ही फटा निकलने से वे आग बुझाने में नाकाम हो जाती हैं।

एडवाइजरी कमेटी के प्रावधान नाकाफी

नेशनल फायर एडवाइजरी कमेटी के मुताबिक, हर 50 हजार की आबादी पर एक फायर बिग्रेड वाहन होना जरूरी है। 22 से 23 लाख की आबादी वाले छतरपुर जिले में इस लिहाज से कम से कम 45 फायर बिग्रेड होनी चाहिए। जबकि वर्तमान में सिर्फ 17 चालू हैं, यानी कुल जरुरत का केवल एक तिहाई। ऐसे में जरुरी है कि शासन और स्थानीय निकाय मिलकर संसाधनों की संख्या और गुणवत्ता दोनों में सुधार लाएं। जिससे हर बार गर्मी के मौसम तेजी से होने वाले अग्निकांडों को रोका जा सके। यदि इस पर ध्यान नहीं दिया तो यह लापरवाही किसी बड़े नुकसान की वजह बन सकती है।

इनका कहना है

जिले के नगरीय निकायों में अग्निकांड से निपटने के लिए वाटर टैंकर सहित फायर ब्रिगेड जैसे संसाधन उपलब्ध हैं। फायर ब्रिगेड को खरीदने के लिए नगरीय निकाय स्वतंत्र हैं, आवश्यकता पड़ने पर परिषद की बैठक के बाद प्रस्ताव बनाकर फायर बिग्रेड वाहन की खरीद कर सकते हैं।

साजिदा कुरैशी
परियोजना अधिकारी, डूडा

बागेश्वर धाम विवाह महोत्सव : दुल्हन बोली, बाबा ने पिता का फर्ज निभाया

छतरपुर, देशबन्धु। ग्राम गढा स्थित बागेश्वर धाम में सप्तम सामूहिक कन्या विवाह महोत्सव में शनिवार को दिन में मेंहदी कार्यक्रम हुआ, शाम को संगीत कार्यक्रम होगा। यहां शाम तक करीब 50 से अधिक दूल्हा-दुल्हन पहुंच चुके हैं। बाकी दुल्हनें रविवार को सुबह तक यहां पहुंच जाएंगी। सुबह 10 बजे के बाद बारात निकाली जाएगी। इसके बाद वैवाहिक रस्में होंगीं।

दुल्हनों को जयपुर, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और छतरपुर सहित कई स्थानों से आई टीमों ने अपने सामानों से मेहंदी लगाई, ये टीमें रविवार को दुल्हनों का मेकअप भी करेंगीं, ये सारा काम नि:शुल्क रहेगा। यहां उत्तर प्रदेश से पहुंची दुल्हन मुस्कान कश्यप् ने अपने हाथों की मेंहदी दिखाते हुए रुंधे गले से बताया कि डेढ साल पहले पिता की कैंसर से मृत्यु हो गई थी। घर में मां और दो छोटे भाई हैं। आर्थिक स्थिति इतनी खराब है कि दो वक्त का खाना भी नहीं मिल पाता है। मां सरकारी स्कूल में खाना बनाकर और मैं सिलाई करके किसी तरह से थोड़ी सी कमाई कर लेती हूं। हमने तो सपने में भी नहीं सोचा था कि हमारी शादी हो पाएगी। बाबा बागेश्वर ने पिता का फर्ज निभाकर हमें अपने आर्शीवाद से नया जीवन दिया है। अन्य दुल्हनों ने कहा बाबा ने गरीब बेटियों को सहारा देकर हमारा घर बसाया है, वे हमारे लिए पिता से बढकर हैं। लोगों को ऐसे संतों की बुराई करना छोड़ देना चाहिए।

बागेश्वर धाम के कथा वाचक धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने जात-पात की करो विदाई, हम सब भाई-भाई का संदेश देते हुए कहा केवल बातों से नहीं, मंदिरों में संतों के माध्यम से सनातन एकता संभव है। बागेश्वर धाम वैदिक गुरुकुल, कैंसर अस्पताल और अन्नपूर्णा प्रकल्प के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा के क्षेत्र में कार्य कर रहा है, ताकि सनातन मूल्यों को उदाहरण के रुप में प्रस्तुत किया जा सके। उन्होंने बताया बीते रोज यहां पार्श्व गायिका अनुराध पोडवाल और फिल्मी कलाकार मनोज तिवारी भी आ गए हैं, ये संगीत की शानदार प्रस्तुति देंगे।

बागेश्वर धाम में 2 युवकों की संदिग्ध हालातों में मौत

छतरपुर, देशबन्धु। बागेश्वर धाम में शनिवार को दो युवकों की संदिग्ध हालातों में मौत हो गई है। शनिवार को उनके शवों को धाम से जिला अस्पताल लाकर पोस्टमार्टम हाउस में रखवाया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। अभी तक मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। मृतक धाम में किस स्थान पर थे और किन हालातों में उनकी मौत हुई है इसे लेकर धाम प्रबंधन और प्रशासनिक अधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है। मौत के कारणों पर अभी कोई खुलकर बोलने को तैयार नहीं है। जिससे अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। सीएमएचओ डॉ आरके गुप्ता ने इस बारे में कोई जानकारी न होने की बात कही है। सभी की निगाहें पीएम रिपोर्ट और पुलिस जांच पर टिकी हैं, जिससे मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

56 केंद्रों पर 12वीं व 10वीं की बोर्ड परीक्षा में 3912 परीक्षार्थी हुए शामिल

छतरपुर, देशबन्धु। शनिवार को जिले के 56 परीक्षा केन्द्रों पर माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल द्वारा आयोजित कक्षा 12वीं की बायोटेक्नॉलोजी, गायन-वादन और कक्षा 10वीं के एनएसक्यूएफ के समस्त विषय एवं आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्ना हुई है। परीक्षा में कुल 3955 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 3912 उपस्थित रहे, जबकि 43 अनुपस्थित रहे हैं।

कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन में विकासखंडवार गठित निरीक्षण दलों ने परीक्षा केंद्रों का सतत निरीक्षण किया, नकल पर पूरी तरह से अंकुश लगा हुआ है। अनुविभागीय अधिकारी बड़ामलहरा, गौरिहार और राजनगर के दल ने 2-2, अनुविभागीय अधिकारी नौगांव के दल ने 1, तहसीलदार बकस्वाहा के दल ने 3 परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त जनपद पंचायत लवकुशनगर सीईओ के दल ने एक केंद्र का निरीक्षण किया है।

इसी तरह डीईओ के दल ने 4 और सहायक संचालक शिक्षा के दल ने 3 परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करके व्यवस्थाओं का जायजा लिया है। सभी दलों ने माध्यमिक शिक्षा मण्डल के एप के माध्यम से निरीक्षण प्रविष्टि ऑनलाइन की। जिसकी मॉनिटरिंग माध्यमिक शिक्षा मण्डल एवं नोडल अधिकारी परीक्षा द्वारा की गई है।

जिपं सीईओ ने किया धमौरा व निवारी केन्द्रों का निरीक्षण

कलेक्टर के निर्देश पर जिला पंचायत सीईओ नम: शिवाय अरजरिया ने जिले के धमौरा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं निवारी के शासकीय हाई स्कूल में बनाए गए परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया है। उन्होंने परीक्षा कक्षों की व्यवस्था, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, विद्यार्थियों के लिए पेयजल व अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। सीईओ ने केंद्राध्यक्षों एवं संबंधित अधिकारियों को परीक्षा निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से कराने में लापरवाही न करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारी और केन्द्रों का स्टाफ उपस्थित रहा।

4 शिकारियों को सुनाई एक-एक साल सश्रम कारावास की सजा

बड़ामलहरा, देशबन्धु। जंगल में वन्य प्राणी चीतल का शिकार करने वाले 4 आरोपियों को न्यायालय ने दोषी करार देकर उन्हें एक-एक साल के सश्रम कारावास और दस-दस हजार जुर्माना की सजा सुनाई है। अभियोजन कथा के अनुसार, पहलवान पुत्र मल्थू यादव, धनीराम पुत्र जशरथ प्रजापति निवासी ग्राम रजपुरा, मुकेश पुत्र सुकानाथ निवासी ग्राम गरखुवां और मनोज पुत्र अच्छेलाल यादव निवासी ग्राम सूरजपुरारोड थाना बड़ामलहरा के विरुद्ध वन विभाग ने वर्ष 2007 में चीतल के शिकार के मामले में वन अधिनियम की धारा 2(16 एबी), 9, 39, 50, 51, 52 के तहत मामला पंजीबद्ध किया था। उनसे चीतल का शव भी बरामद किया गया था। यह मामला वर्ष 2018 से न्यायालय में विचाराधीन था, जिसकी अंतिम सुनवाई में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बड़ामलहरा अभिषेक दीक्षित के न्यायालय ने गवाहों और साक्ष्यों के अनुसार चारों आरोपियों को वन्य जीव मादा चीतल का शिकार करने का दोषी पाया। इसे गंभीर अपराध मानते हुए सभी को सजा सुनाई है। अपने फैसले में न्यायाधीश ने कहा है कि वन्य प्राणियों का अपराध प्रकृति के विरुद्ध होने के साथ साथ सम्पूर्ण समाज के विरुद्ध है। क्योंकि वन्य प्राणी प्रकृति के मध्य तालमेल बनाए रखने में सहायक होते हैं। इसी आधार पर न्यायालय द्वारा चारों दोषियों को कठोर दंड से दंडित किया गया है।

नेशनल एवं स्टेट असेसर टीम ने जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं को सराहा

छतरपुर, देशबन्धु। नेशनल असेसर एवं स्टेट असेसर टीम द्वारा जिला अस्पताल का नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टेंडर्ड एवं कायाकल्प असेसमेंट किया गया। टीम ने निरीक्षण के बाद जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं पर संतोष जताकर सभी की भूमिका की सराहना की है।

इस टीम में नेशनल टीम की ओर से डॉ अमिता गर्ग, डॉ इन्द्रा राठौर, डॉ शशि महावर और स्टेट टीम की ओर से डॉ विवेक मिश्रा व सुश्री शिवांगी उपस्थित रहीं।

टीम ने जिला अस्पताल में ओपीडी, आईपीडी व्यवस्था को देखा। ऑपरेशन थियेटर, लेबर रुम, एसएनसीयू, पीडिया वार्ड, आईसीयू, इमरजेंसी, किचन, मैकेनाईज्ड लाण्ड्री, पोस्टमार्टम रुम, आईपीएचएल लैब, ब्लड बैंक, रेडियोलॉजी, ड्रग स्टोर, कार्यालय व जनरल एडमिनिस्ट्रेशन और संधारित रिकॉर्ड सहित कुल 20 विभागों का निर्धारित मापदंडों व चेकलिस्ट के अनुसार निरीक्षण किया गया। इसके समापन कार्यक्रम में कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने कहा कि जिला अस्पताल में मरीजों को दी जाने वाली चिकित्सीय एवं अन्य सेवाओं की गुणवत्ता को बनाएं रखें। अस्पताल में असेसमेंट में पाई गई कमियों को दूर करने के साथ-साथ उनको सस्टेन रखना है। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल पर मरीजों का वर्कलोड अधिक है, उसके बावजूद बेहतर सेवाएं दी जा रहीं है। इस मौके पर एसडीएम अखिल राठौर, सीएमएचओ डॉ आरपी गुप्ता, सिविल सर्जन डॉ एसके चौरसिया, जिला अस्पताल की क्वालिटी टीम के सभी सदस्य, विशेषज्ञ डाक्टर्स, चिकित्सा अधिकारी, मैट्रन इंचार्ज नर्सिंग आफिसर और पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहा।

कैरियर काउंसलिंग : छात्राओं को दिए कैरियर के बारे में उपयोगी टिप्स

बकसवाहा, देशबन्धु। शासकीय बालिका छात्रावास (रमसा) में छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं उनके भविष्य को दिशा देने के उद्देश्य से कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं को शिक्षा, कैरियर विकल्प, व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और जीवन कौशल से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी एड. मनीष जैन ने कहा वर्तमान समय प्रतिस्पर्धा का युग है और इसमें सफल होने के लिए छात्राओं को स्पष्ट लक्ष्य, कड़ी मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने, डिजिटल शिक्षा अपनाने तथा समाज में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा शिक्षित बालिका ही सशक्त परिवार और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है। कार्यक्रम का संचालन छात्रावास की वार्डन हिना अली ने किया। उन्होंने छात्राओं को निरंतर अध्ययन, अनुशासन और आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विशेष सहयोगी राघवेन्द्र सिंह, स्वयंप्रभा जैन, विनीता आठ्या, ज्योति शाक्य, वैशाली धाड़ी रहीं।

शिक्षक स्वयंप्रभा जैन ने विभिन्न कैरियर विकल्पों जैसे प्रतियोगी परीक्षाएं, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं स्वरोजगार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। छात्राओं ने कहा यह कार्यक्रम उनके भविष्य निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण रहा, उनके मन मे आत्मविश्वास और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच का विकास हुआ है।

लापरवाही : आंगनवाड़ी में एक सप्ताह से नहीं बंटा मध्यान्ह भोजन

छतरपुर, देशबन्ध। जनपद पंचायत बिजावर के अंतर्गत ग्राम गोपालपुरा के आंगनवाड़ी केन्द्र में एक सप्ताह से मध्यान भोजन नहीं बंटा है। दरअसल में स्वसहायता समूह की लापरवाही से भोजन बनाया ही नहीं गया है, तो बच्चों को बंटता कैसे।

आंगनवाड़ी में कार्यकर्ता के अनुसार एकता स्वसहायता समूह संचालित करने वाली महिलाएं बिना पूर्व सूचना के शादी में गई हैं। इस कारण न भोजन बना न बांटा गया है। बिजावर के महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी राजकुमार बागरी ने इस बारे में अनभिज्ञता जाहिर करते हुए बताया मुझे किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं है।

मैं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से पूंछतांछ करता हूं। इससे स्पष्ट है कि जिम्मेदार अधिकारी कितने लापरवाह हैं। उन्हें न प्रतिदिन आंगनवाड़ी केन्दों की मॉनीटरिंग करने की फुर्सत है, न सुपरवाइजर व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से जानकारी लेने की सुध है। महिला बाल विकास के जिला कार्यक्रम अधिकारी का कहना है मेरे पास ऐसी कोई शिकायत नहीं आई है, इस संबंध में परियोजना अधिकारी बिजावर को आंगनवाड़ी केन्द्र गोपालपुरा का निरीक्षण करके प्रतिवेदन डीपीओ कार्यालय में भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

इसी तरह ग्राम गोपालपुरा के स्कूल में भी बच्चों को एक सप्ताह से मध्यान भोजन नहीं मिल सका है। इस पर डीपीसी व प्रभारी डीईओ अरुण शंकर पांडे ने बिजावर बीआरसी को जाच के निर्देश देकर प्रतिवेदन मांगा है। इस प्रतिवेदन के आधार पर जिला पंचायत सीईओ कार्यवाही करेंगे।

विकसित भारत विजन-2047 में उद्यमिता की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

जब नारी, युवा, अन्नदाता और गरीब सशक्त हों तभी सच होगा विकसित राष्ट्र का सपना : कुलगुरु

छतरपुर, देशबन्धु। *महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की वाणिज्य अध्ययनशाला एवं शोध केंद्र द्वारा विकसित भारत विजन.2047 में उद्यमिता की भूमिका विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें विद्वानों के सारगर्भित व्याख्यानों के साथ 10 शोधार्थियों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।*

संगोष्ठि के पहले दिन आईटीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलगुरु प्रो योगेश उपाध्याय ने कहा, जब नारी शक्ति, युवा, अन्नदाता व गरीब सशक्त हों तभी भारत देश विकसित राष्ट्र का सपना 2047 में पूरा कर पाएगा। वास्तव में उद्यमिता से ही सबका साथ सबका विकास संभव है। इसके पहले वाणिज्य विभागाध्यक्ष एवं डीन प्रो बीके अग्रवाल ने शॉल-श्रीफल से अतिथियों का सत्कार किया और सेमिनार की रुपरेखा प्रस्तुत की। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर के कुलगुरु प्रो राकेश कुशवाहा ने कहा शोध, उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति का विकास आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करके विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ कौशल विकास से भारत को 2047 में विकसित राष्ट्र की श्रेणी में पहुंचाएगा। प्रथम तकनीकी सत्र में उज्जैन के प्रो शैलेंद्र भारल ने स्पष्ट किया कि विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करने के लिए उद्यमिता से समाज के सभी वर्गों का विकास संभव है।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के प्रो अतुल गोयल ने कहा, भारत सरकार उद्यमी संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न सरकारी योजनाएं और बैंक द्वारा उद्यमी को आसान व लचीले ऋृण स्वीकृत को बढ़ावा दे रही है। नेपाल के वाणिज्यविद प्रो विश्वेश्वर आचार्य ने कहा, उद्यमी बनने के लिए युवाओं में उद्यमिता के प्रति इच्छा, विचार और उनमें सकारात्मक दृष्टिकोण जरुरी है। नेपाल और भारत के द्विपक्षीय समझौते से उद्यमिता विकास के व्यापक क्षेत्र से दोनों देशों के आर्थिक विकास में मदद मिलेगी। उद्घाटन सत्र का संचालन रुपाली पंसारी और प्रथम सत्र का संचालन शुभि जैन ने किया। वहीं उद्घाटन सत्र डॉ नितेश मिश्रा ने आभार जताया।

युवाओं में किताबी ज्ञान के साथ हुनर भी जरुरी

संगोष्ठि के द्वितीय तकनीकी सत्र में वाणिज्य के पूर्व प्राध्यापक डॉ सुमति प्रकाश जैन ने स्पष्ट किया कि युवाओं के लिए केवल किताबी ज्ञान ही आवश्यक नहीं है, बल्कि उनमें हुनर भी होना जरुरी है। उन्होंने कहा युवाओं को सरकारी नौकरियों की तरफ आकर्षित होकर भागना नहीं चाहिए बल्कि अपने हुनर और योग्यता से स्वयं के व्यवसाय की ओर अग्रसर होना चाहिए। पूर्व प्राध्यापक प्रो डीपी शुक्ला ने उद्यमिता को आर्थिक विकास की रीढ़ बताकर युवाओं में उद्यमी गुणों के सृजन पर जोर दिया। पूर्व प्राध्यापक डॉ प्रभा अग्रवाल ने देश में उद्यमिता की आवश्यकता व आर्थिक विकास में उद्यमिता का योगदान स्पष्ट किया। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए शासकीय एमएलबी कॉलेज ग्वालियर के प्राचार्य प्रो हरीश अग्रवाल ने प्रस्तुत शोध पत्रों की समीक्षा करके आदर्श शोध पत्र तैयार करने की विधि और उनके फॉर्मेट के बारे में समझाया। इस अवसर पर एमबीए टूरिज्म, होटल मैनेजमेंट के छात्रों ने अपने द्वारा तैयार ऑनलाइन स्टार्टअप को भी समझाया। द्वितीय सत्र का संचालन गौसिया बानो ने किया और अंत में आभार प्रदर्शन दीपक आठ्या ने किया।

संघ-समर्थित बौद्धिक दावों की सीमाएँ

■ अरुण कुमार डनायक

इसी प्रकार संघ प्रभावित इतिहास लेखन पर भी गंभीर प्रश्न उठते हैं। इतिहास सुधार के नाम पर अक्सर ऐसा देखा गया है कि किसी ऐतिहासिक / औपनिवेशिक दस्तावेज़, पत्र या भाषण से एक पंक्ति को संदर्भ से काटकर प्रस्तुत किया जाता है, जबकि उसी दस्तावेज़ के शेष भाग में उस कथन की आलोचना या व्याख्या मौजूद होती है।

राजयपुर साहित्य उत्सव के दौरान वरिष्ठ कवि-आलोचक नरेश सक्सेना के इस कथन कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी काल में, अनेक तथाकथित बौद्धिक उत्सव आयोजित करने के बावजूद, ऐसा एक भी बुद्धिजीवी नहीं पैदा कर पाया जिसका नाम संघ के बाहर जाना-पहचाना हो और जिसे व्यापक बौद्धिक समुदाय में गंभीरता से स्वीकार किया गया हो - के साथ एक तीखी बहस का सूत्रपात हुआ। इस प्रश्न के उत्तर में संघ समर्थक खेमे से जो प्रतिक्रियाएँ सामने आती हैं, वे प्राय: तथ्यात्मक विवेचन से अधिक भावनात्मक आत्मरक्षा का रूप ले लेती हैं। यही इस विमर्श की मूल समस्या है।

संघ परिवार से जुड़े विचारकों द्वारा यह तर्क दिया जाता है कि 'लेखक' की परिभाषा स्वयं पक्षपातपूर्ण है और अकादमिक जगत ने वैचारिक कारणों से संघ-प्रेरित लेखन को मान्यता नहीं दी। यह आंशिक रूप से सही हो सकता है, किंतु इससे यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि आलोचना निराधार है। किसी भी वैचारिक परंपरा की बौद्धिक क्षमता का मूल्यांकन उसके भावनात्मक प्रभाव से नहीं, बल्कि उसकी पद्धति, प्रमाण और आत्मालोचना की क्षमता से किया जाता है। इस संदर्भ में प्राय: दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' का उल्लेख केन्द्रीय उदाहरण के रूप में किया जाता है। किंतु अकादमिक दृष्टि से यह स्वीकार करना आवश्यक है कि 'एकात्म मानववाद' एक संक्षिप्त व्याख्यात्मक पाठ है, न कि सम्पूर्ण चिंतन मनन से विकसित दार्शनिक ग्रंथ। इसमें पश्चिमी पूँजीवाद और लोकतंत्र व समाजवाद की आलोचना तो मिलती है, पर भारतीय समाज की जटिल आर्थिक, सामाजिक और संस्थागत समस्याओं के लिए कोई स्पष्ट, परीक्षण योग्य समाधान नहीं मिलता। इसे संपूर्ण वैकल्पिक दर्शन के रूप में प्रस्तुत करना वैचारिक अतिरंजन है, न कि विश्लेषणात्मक निष्कर्ष। उपाध्याय जी की तुलना में राम मनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण जैसे समाजवादी चिंतकों ने भारतीय सामाजिक-आर्थिक समस्याओं के लिए अधिक ठोस और व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किए। किंतु भारतीय संदर्भ में सर्वाधिक समग्र और नैतिक समाधान महात्मा गांधी के लेखन में मिलता है, जिसे संघ परिवार ने प्राय: अनदेखा ही किया है।

इसी प्रकार संघ प्रभावित इतिहास लेखन पर भी गंभीर प्रश्न उठते हैं। इतिहास सुधार के नाम पर अक्सर ऐसा देखा गया है कि किसी ऐतिहासिक / औपनिवेशिक दस्तावेज़, पत्र या भाषण से एक पंक्ति को संदर्भ से काटकर प्रस्तुत किया जाता है, जबकि उसी दस्तावेज़ के शेष भाग में उस कथन की आलोचना या व्याख्या मौजूद होती है। चयनात्मक उद्धरण इतिहास का पुनर्पाठ नहीं, बल्कि वैचारिक पुष्टि का उपकरण बन जाता है। कई अवसरों पर पौराणिक आख्यानों को ऐतिहासिक तथ्य के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे इतिहास और मिथक के बीच की आवश्यक बौद्धिक दूरी धुंधली हो जाती है। यह पद्धति इतिहास-लेखन की स्वीकृत अकादमिक कसौटियों के विपरीत है।

भारतीय बौद्धिक इतिहास में राष्ट्रवाद कोई एकरेखीय या एकरूप अवधारणा नहीं रही है। यह विभिन्न वैचारिक धाराओं - उदारवाद, समाजवाद, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, नैतिक राजनीति और औपनिवेशिक प्रतिरोध - के संवाद और संघर्ष से विकसित हुआ है। ऐसे में किसी भी संगठन या विचारधारा द्वारा यह दावा करना कि वही राष्ट्रवाद की एकमात्र प्रामाणिक अभिव्यक्ति है, अकादमिक दृष्टि से अस्थिर प्रतीत होता है। इस संदर्भ में महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू का लेखन आधुनिक भारतीय राष्ट्रवाद की वैचारिक धुरी के रूप में देखा जाना चाहिए। गांधी का राष्ट्रवाद नैतिकता, अहिंसा, सामाजिक समावेशन और आत्मालोचन पर आधारित था। उनके लिए राष्ट्र कोई धार्मिक या सांस्कृतिक एकरूपता नहीं, बल्कि विविधताओं के बीच नैतिक सह अस्तित्व की परियोजना था। इसी प्रकार नेहरू का राष्ट्रवाद वैज्ञानिक चेतना, आधुनिकता, लोकतांत्रिक संस्थाओं और बहुलतावादी समाज की कल्पना से जुड़ा हुआ था। इसके विपरीत, संघ समर्थित विमर्श में राष्ट्रवाद का स्वरूप प्राय: सांस्कृतिक-धार्मिक पहचान तक सीमित दिखाई देता है। 'राष्ट्र' को बहुधा 'हिन्दू राष्ट्र' के पर्याय के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिसमें नागरिकता, अल्पसंख्यक अधिकार, और वैचारिक बहुलता के प्रश्न गौण हो जाते हैं। यह राष्ट्रवाद आधुनिक राष्ट्र-राज्य की जटिलताओं से अधिक, सांस्कृतिक एकरूपता की आकांक्षा से संचालित प्रतीत होता है। इसी कारण इसे अकादमिक स्तर पर 'छद्म राष्ट्रवाद' कहा जा सकता है - ऐसा राष्ट्रवाद जो भावनात्मक रूप से प्रभावी है, पर वैचारिक रूप से अपूर्ण।

संघ समर्थित लेखन का एक और संरचनात्मक दोष यह है कि वह स्वयं को नैतिक रूप से 'आलोचना से परे' घोषित करने की प्रवृत्ति रखता है। यह कहा जाता है कि यह लेखन पुरस्कार, अकादमी या विश्वविद्यालयों के लिए नहीं, बल्कि 'संस्कार' के लिए है। किंतु अकादमिक विमर्श में यह तर्क स्वीकार्य नहीं है। यदि कोई लेखन सार्वजनिक सत्य का दावा करता है, तो उस पर प्रश्न, परीक्षण और असहमति का अधिकार भी उतना ही वैध है।

संघ परिवार के बौद्धिक लेखन में एक और उल्लेखनीय समस्या 'वामपंथ' की परिभाषा को लेकर दिखाई देती है। वामपंथ को अक्सर साम्यवादी या मार्क्सवादी विचारधारा तक सीमित कर दिया जाता है और उसे एक समरूप, षड्यंत्रकारी और राष्ट्रविरोधी शक्ति के रूप में चित्रित किया जाता है। यह दृष्टिकोण न केवल ऐतिहासिक रूप से गलत है, बल्कि बौद्धिक रूप से भी संकीर्ण है। वामपंथी विचारधारा वास्तव में एक व्यापक वैचारिक स्पेक्ट्रम है, जिसमें समाजवादी, प्रगतिशील, मानवतावादी, स्त्रीवादी, रूढ़ि विरोध और लोकतांत्रिक विचारधाराएँ सम्मिलित हैं। भारत में स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर संविधान निर्माण तक, वामपंथी और प्रगतिशील विचारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन्हें केवल विदेशी आयात या राष्ट्रविरोधी विचार कहकर खारिज करना बौद्धिक सरलीकरण है, न कि विश्लेषण। सबसे गंभीर प्रश्न सत्यनिष्ठा का है। कई अवसरों पर संघ-परिसर से जुड़े लेखकों द्वारा ऐसे तथ्य प्रस्तुत किए गए हैं जिनके स्रोत अस्पष्ट हैं या जो बाद में असत्य सिद्ध हुए हैं। विचारधारात्मक प्रतिबद्धता तथ्यात्मक शिथिलता का औचित्य नहीं बन सकती। राष्ट्रवादी भाषा में कही गई असत्य बातें भी असत्य ही रहती हैं और अंतत: उसी वैचारिक परंपरा की विश्वसनीयता को क्षति पहुँचाती हैं।

यह कहना आवश्यक है कि यह आलोचना किसी एक विचारधारा के पक्ष या विपक्ष में नहीं, बल्कि बौद्धिक ईमानदारी के पक्ष में है। यदि संघ-परिसर वास्तव में वैचारिक परिपक्वता का दावा करता है, तो उसे सबसे पहले अपने ही लेखन को कठोर अकादमिक कसौटी पर कसने का साहस दिखाना होगा। बिना आत्मालोचना के कोई भी बौद्धिक परंपरा दीर्घकालिक प्रभाव नहीं छोड़ सकती। अंतत:, लेखक की पहचान भावनात्मक प्रभाव से नहीं, बल्कि विचार की संगति, प्रमाण की विश्वसनीयता और पद्धति की ईमानदारी से बनती है। जब तक इस बुनियादी सत्य को स्वीकार नहीं किया जाता, तब तक संघ-समर्थित बौद्धिक दावे आलोचना से मुक्त नहीं हो सकते।

(लेखक गांधीवादी विचारक व समाजसेवी हैं)

यात्रा वृत्तांत

पश्चिम के उस देश में जो सदा कलाकारों को प्रिय रहा है

■ सेठ गोविंददास

हम सबसे पहले रोम के प्रसिद्ध सैंट पाल गिरजाघर को देखने गए। कितना विशाल, भव्य और सुंदर यह गिरजाघर है। बनावट तथा उसकी सामग्री में तो नहीं, परंतु विशालता, भव्यता और सौंदर्य में इसका पूरा मिलान काहरा की मुहम्मद अली की मस्जिद से हो सकता है। जैसा विशाल, भव्य और सुंदर यह गिरजाघर है वैसी ही काहरा की वह मस्जिद और दोनों है उस जगदाधार जगदीश्वर की वंदना के स्थान। मुझे एकाएक दक्षिण भारत के ऐसे ही विशाल, भव्य और सुंदर श्री रंग, रामेश्वर एवं मीनाक्षी देवी मंदिरों का स्मरण हो आया। उन मंदिरों के गोपुरों, मंडपों आदि में भी ऐसी ही विशालता, भव्यता और सौंदर्य दिखता है, चाहे बनावट सर्वथा दूसरे प्रकार की ही क्यों न हो। तो स्थापत्यकला की भिन्न-भिन्न प्रणालियों से इन वस्तुओं का मन पर जो प्रभाव पड़ता है, उस प्रभाव का कोई संबंध नहीं है। चाहे स्थापत्यकला भिन्न-भिन्न प्रकार की हो, पर यदि निर्मित वस्तु में विशालता है, भव्यता है और सौंदर्य है तो मन पर उस वस्तु का प्रभाव एक-सा ही पड़ेगा। हाँ, इस दर्शन से आनंद प्राप्त करने के लिए मन को उदार होने की आवश्यकता अवश्य है। यदि मन में संकीर्णता है और धर्मांधता कि इस प्रकार की भावना कि चाहे हाथी के पैर के नीचे कुचल जाओ पर जैन मंदिर में पैर न रखो तो फिर मन को कोई आनंद प्राप्त नहीं हो सकता। इसलिए गाँधी जी की प्रार्थना के समय 'रघुपति राघव राजा राम' के साथ 'ईश्वर अल्लाह तेरे नाम' भी गाया जाता था। मेरे मन में काहरा की मुहम्मद अली को मस्जिद और रोम के सैंट पाल गिरजाघर के दर्शन से कुछ वैसे ही आनंद की उत्पत्ति जैसे भारत में दक्खिन के विशाल मंदिरों के दर्शन के समय हुई थी और इस आनंद में मुझे उस परमपिता परमात्मा की भी याद आई जिसकी महानता के स्मरण के लिए ही इन महान वस्तुओं का निर्माण हुआ था। हाँ, काहरा की मस्जिद और रोम के इस गिरजाघर की क़ब्रें मुझे ज़रा भी अच्छी न लगीं। नित्य के उस दर्शन की मन में अभिलाषा उत्पन्न कराने के लिए जिन ऐसी वस्तुओं का निर्माण होता है उनमें इस क्षणभंगुर अनित्य शरीर की कल क्यों बनाई जाएँ।

सैंट पीटर गिरजाघर के बाद सैंट पाल रोम का सबसे बड़ा गिरजाघर है। 1823 के अग्निकांड में जल जाने के बाद लगभग समूचा गिरजाघर ही फिर से बनाया गया है। यह गिरजाघर कान्स्टेन्टाइन ने बनवाया था। इसी स्थल पर सैंट पाल का सिर उतारा गया था। पाँचवीं शताब्दी में इस गिरजाघर को बड़ा बनाया गया। समय-समय पर गिरजाघर में और भी सजावट होती रही। अंत में इसकी गणना सर्वोत्तम गिरजाघरों में होने लगी। प्रोटेस्टेंट मतानुयायियों के सुधार-आंदोलन से पहले यह गिरजाघर इंग्लैंड के बादशाह के संरक्षण में रहता था।

सैंट पीटर गिरजाघर के बाद सैंट पाल रोम का सबसे बड़ा गिरजाघर है। 1823 के अग्निकांड में जल जाने के बाद लगभग समूचा गिरजाघर ही फिर से बनाया गया है। यह गिरजाघर कान्स्टेन्टाइन ने बनवाया था। इसी स्थल पर सैंट पाल का सिर उतारा गया था। पाँचवीं शताब्दी में इस गिरजाघर को बड़ा बनाया गया।

यह गिरजाघर कालडेरिनी के डिज़ाइन के आधार पर तैयार किया गया है। इसमें 146 स्तंभ है। मध्य में सैंट पाल की मूर्ति है। पीछे गुलाबी ग्रेनाइट के दस स्तंभ हैं।

इस गिरजाघर से हम गए उस स्थान पर जहाँ किसी ज़माने में मानव से सिंह की कुश्ती कराई जाती थी और उसे देखने चारों ओर नर-नारी एकत्रित होते थे।

वह स्थान फ्लैवियन (Flavian) वंश के सम्राट् वैस्पेसियन ने बनवाया था। इसी स्थल पर नीरो के उद्यान की अप्राकृतिक झील थी। इस इमारत को सम्राट वैस्पेसियन के पुत्र टीटस ने 80 ईसवी में पूरा किया। इसका उद्घाटन समारोह सौ दिन तक चलता रहा और इस बीच कोई पाँच हज़ार वन्य पशुओं का वध किया गया। भूचाल, मरम्मत न होने और नागरिकों के दुरुपयोग के कारण यह इमारत बहुत कुछ नष्ट हो गई। इसे कोलोसियम कहा जाता है जो रोमन सम्राटों का क्रीड़ास्थल था और बर्बरता का केंद्र भी। कोलोसियम नाम पड़ने का कारण या तो यह हो सकता है कि यह इमारत ही अत्यंत विशाल है अथवा यह कि पास ही में नीरो की जो मूर्ति है वह अत्यंत विशाल है। यह इमारत अंडाकार है। इसका घेरा 576 गज है, लंबाई 205 गज है और चौड़ाई 170 गज है। इसकी ऊँचाई 157 फुट है। इमारत चौमंजिली है। अंदर अखाड़े के चारों ओर 50 हज़ार दर्शकों के बैठने लायक स्थान है। अखाड़े में मसीहियों पर किए गए अनेक अत्याचारों के स्मारक के रूप में क्रॉस रखा हुआ है। इमारत की चार मंज़िलों में से पहली तीन में स्तंभ हैं जो क्रमश: डौरिक, आयोनिक और कोरिथियन क़िस्म के हैं। चौथे मंजिल पर दीवार है जिसमें चौकोर खिड़कियाँ हैं।

इसके अंदर के अखाड़े की लंबाई 94 और चौड़ाई 59 गज है। अखाड़े के मैदान के चारों और पाँच गज ऊँचा चबूतरा-सा हैं। यह स्थान सम्राट के बैठने के लिए होता था। बड़े-बड़े अधिकारी —सेनेट के सदस्य, मजिस्ट्रेट, राजदूत, पुरोहित आदि और देवदासी कुमारियों को भी यहाँ स्थान दिया जाता था।

पहली मंज़िल बहादुर जवानों और सरदारों के लिए होती थी। बीज की मंज़िल नागरिकों के लिए होती थी और इसके उपरांत दीन जनों के लिए देखने का प्रबंध था। महिलाओं के लिए अलग गैलरी निश्चित थी।

प्राचीनकाल में यह कहा जाता था कि जब तक रोम में कोलोसियम है तब तक रोम भी है, इसके पतन के साथ-साथ रोम का पतन हो जाएगा और रोम के पतन के साथ-साथ संसार का पतन हो जाएगा।

पुस्तक : पृथ्वी परिक्रमा (पृष्ठ 55)
रचनाकार : सेठ गोविंददास
प्रकाशन : हिंदी प्रिंटिंग प्रेस संस्करण : 1954

'तेरे ख़त आज मैं गंगा में बहा आया हूँ'

■ उषा दशोरा

दूर तक फैले कीकर और बबूल के पेड़ों के बीच कच्ची पगडंडी पर सीताफल के दो पेड़ थे। उसी कच्ची पगडंडी पर चलते हुए ज़रा पीछे की ओर गरदन मोड़ लो तो सरकारी स्कूल का फाटक दिखने लगता था। लड़का-लड़की छुट्टी के घंटे के बाद इसी स्कूल से लौट रहे थे। लड़की कुछ आगे चलती थी और लड़का उसके आठ क़दम पीछे। उन दोनों के बीच वो आठ क़दम की दूरी ख़ाली दिखती थी, पर ख़ाली थी नहीं। क्या था उस ख़ाली जगह में?

और क्या? दो अल्हड़ फ़िरदौस दिलों में पहले-पहले लिखे प्रेमपत्र में इज़हार की घबराहट और ज़वाब के इंतज़ार की बेचैनी?

प्रेम में थे लड़का-लड़की। प्रेमपत्रों में ख़्वाबों की डोरियाँ गूँथते थे लड़का-लड़की। जब ज़मीन भयंकर बारिश के पानी में डूब रही थी, तब भी प्रेमपत्र के इंतज़ार में थे लड़का-लड़की। जब रेगिस्तान में पीली रेतीली आँधियाँ उड़ रही थी, तब भी प्रेमपत्र लिख रहे थे लड़का-लड़की।

तब दुनिया के सारे प्रेमी ख़ब्ती थे। मासूम ख़ब्ती। अगर तुम भी कभी मासूम प्रेमी थे। तो इंशा जी पर अभरोसे का सवाल ही कहाँ?

—ये बातें झूठी बातें हैं, ये लोगों ने फैलाई हैं।

हाँ बेकल-बेकल रहता है, प्रीत में जिसे दिल हारा पर शाम से लेकर सुबह तलक यूँ कौन खड़े हैं आवारा।

देखा तुमने, देखा? चलते-चलते वह लड़की रुक गई। फिर देखो, वहीं दोनों सीताफलों के पेड़ों के बीच लड़की मिट्टी में बैठ गई। गुम हुई कोई चीज़ ढूँढ़ने का बहाना करती हुई। अचानक उसने बँधी हुई जूते की लेस खोली। फिर से लेस बाँधने लगी। लड़की अब जा चुकी है। जहाँ बैठी थी, वहाँ अब प्रेमपत्र रखा है। धीरे से लड़के ने आठ क़दम पूरे किए और टुकुर-सा अपना पैर उस प्रेमपत्र के पास धर दिया। पास उगी जंगली चमेलियों की बेलें क्यों न मुस्काए इस मासूमियत पर? कहो तो? सारे प्रेमियों को लगता दुनिया को मूर्ख बनाना उसका अधिकार है। इधर सारी दुनिया को लगता है प्रेमियों पर नज़र रखना उनका कर्तव्य।

अब लड़का पगडंडी पर अकेला था। लड़की घर जा चुकी थी। स्कूल पीछे छूट चुका था। उस शाम पाँच बजे लड़के ने अपने जीवन का पहला प्रेमपत्र पढ़ा। गवाह थे वो दोनों सीताफल के पेड़। जिसके तने पर लड़के ने नुकीले पत्थर से लड़की के नाम का पहला अक्षर महीनों पहले ही गोद दिया था। उसने प्रेमपत्र को कई बार चूमा। प्रेमपत्र पढ़ते-पढ़ते कई बार आँखें मींची। कई बार वहाँ लिखी लाइनें दोहराते हुए होठ भींचे। नीली स्याही पे उँगुलियाँ फेरते हुए प्रेमपत्र यूँ समेटा जैसे लड़की का नाज़ुक दिल।

उन दिनों लड़का देर रात क्षेत्रफल के सवाल हल करते-करते अचानक रुक जाता। रुककर गणित की कॉपी के आख़िरी पन्ने पर प्रेमपत्र लिखता। उन दिनों ही लड़की पेन का ढक्कन चबाते-चबाते तकिया पेट के नीचे दबा लेती। पाँव हवा में झुलाती और प्रेमपत्र का ज़वाब लिखती।

उन दिनों लड़की किसी शादी में दूल्हा-दुल्हन को देखती तो तमाम रेशमी ख़याल प्रेमपत्र में बिखराकर लड़के तक पहुँचा देती।

उन दिनों ही तो नोहरे में पंगत जिमाने के बाद लड़का किसी टूटी दीवार के पीछे बैठा लड़की का भेजा प्रेमपत्र पढ़ता और पचासों बार चूमता।

ये वो वाले दिन थे—जब मछलियों को उड़ने वाले ख़्वाब देखने पर सख़्त पहरा था और चिड़िया के तैरने वाले ख़्वाब देखने पर कड़ी पाबंदी थी। ये वो वाले दिन थे—जब दुनिया प्रेमपत्रों से भरी पड़ी थी : तकियों के नीचे, किताबों के बीच, अलमारी के भीतर, चावल के डब्बों में, सूखी लड़कियों की ढेर के नीचे, गमले की मिट्टी में गढ़े और कपड़ों के तहों में हर जगह धड़कते हुए प्रेमपत्र धीमी साँस लेते थे। ये वो वाले दिन थे—जब एंटिना घूमाने के बहाने, कपड़े सुखाने के बहाने, पतंग उड़ाने के बहाने, बाल सुखाने के बहाने प्रेम बसंत मुहल्लों में खिलता था। ये वो वाले दिन थे—जब तमाम चुंगी-नाका, तमाम चेकपोस्ट, तमाम बेरिकेट्स के बावजूद छोटा भाई, प्रेमी का कोई दोस्त, माशूक़ा की पक्की सहेली, अभी-अभी आई नई नवेली भाभी की हथेलियों से गुज़रते हुए हज़ारों प्रेमपत्र चुपके से दुनिया के प्रेमियों तक पहुँच रहे थे।

फिर एक दिन दुनिया के तमाम लड़का-लड़की बड़े हो गए। इतने बड़े की प्रेमपत्र छोटे रह गए। दुनिया के वे तमाम लड़का-लड़की जल्दी-जल्दी आगे बढ़ गए। इतने आगे बड़े की प्रेमपत्र पीछे रह गए।

—मैं फ़रवरी को प्रेम लिख रही हूँ
और तुम प्रेम को फ़रवरी समझना।

एक मुरझाए फूल ने दूसरे मुरझाए फूल को अभी-अभी एक शाइरी सुनाई। जो प्लास्टिक की पन्नीवाले फ्लावर बुके में फँसे थे। लेकिन शाइरी सुनने के बाद फ़रवरी के मुँह से वाह! वाह! की कोई आवाज़ नहीं आई।

कैसे आती? फ़रवरी के सीने पर दुनियाभर की मुहब्बत का बाज़ार दौड़ रहा था। वज़्न था उसके सीने पर प्रेम को ज़िंदा रखने का। लड़का-लड़की के हाथों में लाल गुलाब थे, चॉकलेट थी, टेडीबियर थे, हाथों में हाथ थे। नाच था, गान था। मोमबत्तियों की रोशनियों में डिनर था, जाम था। उन दोनों के बीच नहीं था तो बस एक प्रेमपत्र।

अब भी ज़मीन भयंकर बारिश में डूब रही थी। अब भी रेगिस्तान में पीली रेतीली आँधियाँ चल रही थी। पर कहाँ चले गए थे प्रेमपत्र को चूमनेवाले लड़के? कहाँ थी प्रेमपत्र के जवाबों का इंतज़ार करती लड़कियाँ?

दुनिया के सारे प्रेमपत्र किताबों में, तकिए के नीचे, चावल के डिब्बों में, इँटों के नीचे, कपड़ों की तहों में अकेले रह गए थे। उन्हें ढूँढ़ने कभी कोई प्रेमी पीछे लौटकर क्यों नहीं जाता? हर साल प्रेमवाली फ़रवरी आती रहीं, प्रेमवाली फ़रवरी जाती रहीं। हर साल प्रेमवाली फ़रवरी कहती रहीं—

तेरे ख़त आज मैं गंगा में बहा आया हूँ।
आग बहते हुए पानी में लगा आया हूँ।
[राजेंद्र नाथ रहबर]

क्या इस वक़्त प्रेमपत्र लिखता कोई प्रेमी सुन रहा है फ़रवरी को?

(हिन्दवी से साभार)

दो कविताएं

■ हेमन्त शेष

प्यार का क्या करें कविगण

भारत में प्रेम एक घटिया शब्द
बनाया जा चुका है। और रहेगा।
इसे ही मुंबई का सिनेमा कहता है 'प्यार'
रही सही कसर सस्ते उपन्यास-सम्राटों ने पूरी कर दी है।
स्थिति यह है कि अब प्रेम करने वाले भी प्रेमी कहलाने से डरते हैं।
पर विडम्बना देखिए
गाहे-बगाहे हमें भी
पूरी गंभीरता से करना पड़ता है
इसी शब्द का इस्तेमाल।
और तब हम भीतर से प्रेम को लेकर उतने चितिंत नहीं होते
जितने होते हैं इसके दु:खद पर्यायवाची से:
कुछ खास-खास मौकों पर
हूबहू प्रेमी की तरह दिखते हुए 'प्यार' शब्द से डरते ,
भीतर से पर
महज
कवि रहते ।

दूसरा दर्ज़ा

दोपहर का वक़्त था वह
पर ठीक दोपहर जैसा नहीं,
नदी जैसी कोई चीज़ भागती हुई खिड़की से बाहर
सूख रही थी
पुलों और पटरियों के शोर को उलाँघता
किसी तंद्रा में कहीं जा रहा था मैं
बाहर
खेतों से उलझ रही थीं झाडियाँ
झाड़ियों से बेलें बेलों पर तितलियाँ तितलियों पर
रंग
उन्हें ठहर कर देखने की हम में से भला
किसको फ़ुरसत थी
दृश्य जैसा हू-ब-हू
वह एक दृश्य था: किसी घाव की तरह ताज़ा और
दयनीय
कछार का छू कर आ रही हवा में थे कुछ
जड़े हुए पहाड़
जिन पर छाई पीली घास
ऐसी दिखती थी जैसे कछुए की पीठ को
किसी ने रेती से घिस दिया हो

लाखों बरस पहले
चिड़ियों को पंख दिए गए थे
वे लोहे के अजगर की रफ़्तार से अभिभूत
एक साथ लहराती हुई उड़ रहीं थीं

किसी अप्रिय ज़िम्मेदारी के निर्वाह में
लोगों ने अपने घर छोड़े होंगे अक्सर इतिहास में
इसी तरह
अकेला कइयों के साथ मैं कहीं चला जाता था

वे क्यों चल रहे थे मेरे साथ
इस अन्तहीन समय में
आख़िर किस भरोसे पर

मैं किससे पूछता भी तो आख़िर किस से
ऊँघते और एक-दूसरे पर गिरते हुए भी वे प्राय:
निर्दोष लग रहे थे
डिब्बे के साथ-साथ अकेले लोग
हालाँकि थे वे एक दूसरे से बेतरह ऊबते

उजनेठी में अवैध खनन परिवहन पर कार्रवाई, ट्रैक्टर -ट्राली जब्त

सागर, देशबन्धु। जिले में अवैध खनन एवं अवैध परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 13 फरवरी को तहसील बंडा अंतर्गत उजनेठी ग्राम में खनिज विभाग द्वारा बोल्डर का अवैध परिवहन करते पाये जाने पर महिंद्रा ट्रैक्टर ट्राली को जब्त किया गया। जब्त वाहन को थाना बिनेका में खड़ा कराया गया है। वाहन चालक आशीष लोधी पिता विजय लोधी निवासी डिलोना बंडा के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

पुलवामा शहीदों एवं वैलेंटाइन डे पर साप्ताहिक काव्य गोष्ठी संपन्न

सागर, देशबन्धु। साहित्य सरस्वती मंच की साप्ताहिक काव्य मंचीय गोष्ठी का आयोजन कार्यालय सरस्वती पुस्तकालय एवं वाचनालय तीनबत्ती से संपन्न हुआ। कवि गोष्ठी की अध्यक्षता जीएल छत्रसाल ने की, मुख्य वक्ता डॉ. नलिन निर्मल ने पुलवामा के शहीद सैनिकों तथा वैलेंटाइन डे पर चर्चा की। पुष्टि चर्चा में पीआर मलैया एवं राधाकृष्ण व्यास अनुज ने भागीदारी की। द्वितीय सत्र में नवीनतम सरस्वती वंदना का पाठ पी आर मलैया ने किया। बंसत व वैलेंटाइन डे पर व्हीपी उपाध्याय ने कवितायें सुनायी। शिवरात्रि पर्व पर आनंद मिश्र अकेला ने काव्य पाठ किया। सुल्तान खान ने श्रंगार चौकड़िया गांव की गोरी सुनायी। शायर एम शरीफ ने गजल ख्वाबो में किसी ने किया था इशारा। रंगकर्मी कवि डॉ. संतोष साहू ने फागुन के रंग में रंगी चौकड़िया सुनायी जो बूंदा यानि बिन्दी पर आधारित थी। गीतकार पुष्पेन्द्र दुबे कुमार सागर ने बसंत पर गीत सुनाया जब से बसंत आया। डॉ. नलिन निर्मल ने मुहब्बत एवं प्रेम कविता वा गीत सुनाया। संयोजक राधाकृष्ण व्यास अनुज ने क्षणिकायें सुनायी। पी आर मलैया ने कविता कब तलक पीछे हटोगे मुश्किलों के नाम पर। पूरन सिंह राजपूत ने चौकड़िया छंद सुनाये। कवि के एल तिवारी अलबेला ने सामयिक व्यंग्य सुनाये। अध्यक्ष जीएल छत्रसाल ने कविता सुनायी। संचालन राधाकृष्ण व्यास अनुज ने किया। पुलवामा के शहीद सैनिक के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा। पधारे कवियों का आभार डॉ. नलिन निर्मल ने माना।

राज्यपाल से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव की सौजन्य भेंट

भोपाल, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा ने शनिवार को लोकभवन में सौजन्य भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल श्री पटेल का प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. मिश्रा ने पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। राज्यपाल श्री पटेल ने डॉ. मिश्रा को अंग वस्त्रम् और साँची स्तूप की प्रतिकृति स्मृति स्वरूप भेंट की।

मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने की मुलाकात

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने शनिवार देर शाम समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में सौजन्य भेंट कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. मिश्रा ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भी डॉ. मिश्रा को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया एवं बाबा महाकाल की प्रतिकृति स्मृति स्वरूप भेंट की।

मुख्यमंत्री ने बुरहानपुर जिले को दी 80 विकास कार्यों की सौगातें, कई घोषणाएं की

बुरहानपुर में बनेगा मिनी एयरपोर्ट, शाहपुर को बनाएंगे नगर पालिका

- सहकारी सूत मिल श्रमिकों को होगा बकाया राशि का भुगतान
- केला उत्पादकों के लिए स्थापित होगी वैल्यू एडिशन, भण्डारण एवं प्रसंस्करण इकाई

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश का चहुंमुखी विकास ही सरकार का एकमात्र लक्ष्य है। आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण में हर नागरिक की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सबको साथ और विश्वास में लेकर हम ऐसे नये मध्यप्रदेश का निर्माण करेंगे, जहां विकास केवल अवसर नहीं, यहां के हरेक नागरिक का अधिकार होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को बुरहानपुर में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से 696 करोड़ 37 लाख रुपये लागत के 80 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण कर बुरहानपुर जिले के समग्र विकास को नई गति दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। बुरहानपुर का विकास हमारी प्राथमिकता में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुरहानपुर में मिनी एयरपोर्ट बनाने की घोषणा की। उन्होंने बुरहानपुर में केला उत्पादक किसानों के हित में वैल्यू एडिशन, भण्डारण एवं प्रसंस्करण के लिए इकाई स्थापित करने, बुरहानपुर में कृषि आधारित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में नगर परिषद शाहपुर को परीक्षण उपरांत नगर पालिका का दर्जा दिया जाएगा। बुरहानपुर में वारकरी समुदाय का कीर्तन केंद्र बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हॉर्टीकल्चर सब्जेक्ट अब प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में पढ़ाया जाएगा। उन्होंने खामनी से दही हांडी तक खामनी से रायगांव एवं शाहपुर से सुखपुरी तक सड़क बनाने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुरहानपुर में युवाओं के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रारंभ किए जाएंगे। राज्य सरकार बुरहानपुर सहकारी सूत मिल श्रमिकों के बकाया भुगतान कराएगी और यहां नए उद्योग-धंधे भी स्थापित करेगी। मुख्यमंत्री ने कृषि, उद्यानिकी एवं अन्य विभागों की 2 वर्ष की उपलब्धियों और भावी विकास योजनाओं पर आधारित विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ कर विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन भी किया।

बुनकरों का शहर है बुरहानपुर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि से लेकर कपड़ा निर्माण तक, दवा से लेकर फर्नीचर उद्योग तक, पाइप निर्माण से लेकर कृषि उपकरण निर्माण तक बुरहानपुर का जवाब नहीं। यह जिला पावरलूम उद्योग का प्रमुख केन्द्र है और कपड़ा उत्पादन के कारण बुनकरों के शहर के रूप में बुरहानपुर के नाम से विख्यात है। यहां का केला उत्पादन, फसल विविधता और परिश्रमी किसान, यही हमारे कृषक कल्याण वर्ष की असली ताकत हैं। कार्यक्रम को जल संसाधन एवं बुरहानपुर जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट,खण्डवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक बुरहानपुर एवं पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शनिवार को नवपदस्थ आयुक्त जनसम्पर्क एवं प्रबंध संचालक मप्र माध्यम मनीष सिंह ने मुख्यमंत्री निवास पर सौजन्य भेंट की।

मनीष सिंह ने जनसंपर्क आयुक्त का कार्यभार संभाला

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी मनीष सिंह ने शनिवार को आयुक्त जनसंपर्क एवं प्रबंध संचालक, म.प्र. माध्यम के पद पर कार्यभार संभाल लिया। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की।

कार्यभार संभालने के बाद मनीष सिंह ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक प्रभावी रूप से पहुँचाना विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

इस दिशा में समन्वित प्रयास सुनिश्चित किए जाएंगे। आयुक्त जनसंपर्क और प्रबंध संचालक माध्यम श्री सिंह ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की।

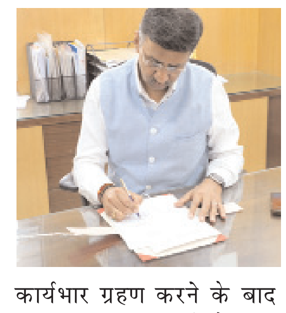

उन्होंने विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा करते हुए जनहित के कार्यक्रमों के प्रभावी प्रचार-प्रसार और समयबद्ध क्रियान्वयन पर बल दिया।

एसआईआर : दावे आपत्ति की सुनवाई पूरी, 21 को प्रकाशित होगी अंतिम मतदाता सूची

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 के तहत प्रारुप मतदाता सूची पर दावे आपत्ति पर सुनवाई पूरी हो गई है। इसके बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी को किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश में विभिन्न श्रेणियां में एक करोड़ से अधिक नोटिस जारी किए गए थे।संयुक्त मुख्य निर्वाचन रामप्रताप सिंह जादौन के मुताबिक, एसआईआर के तहत चल रहे दावे आपत्तियों और जारी नोटिसों की सुनवाई का काम तय समय में पूरा कर लिया गया है। चुनाव आयोग के तरफ से जारी कार्यक्रम के अनुसार, सुनवाई का काम 14 फरवरी तक पूरा कर लिया जाना था। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश के सभी जिलों में शत-प्रतिशत सुनवाई पूरी कर ली गई है। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन तय कार्यक्रम के मुताबिक 21 फरवरी को कर दिया जाएगा। वैसे पूरे प्रदेश में 22 जनवरी तक 15 लाख से अधिक लोगों ने दावे आपत्तियां आई थीं।

प्रदेश भर में फॉर्म-6 करीब नौ लाख प्राप्त हुए थे। वहीं, फॉर्म -7 करीब डेढ़ लाख प्राप्त हुए थे। जबकि फॉर्म-8 सवा पांच लाख से अधिक प्राप्त हुए थे। ग़ौरतलब है कि प्रारूप सूची के प्रकाशन के बाद प्रदेश में 5 करोड़ 31 लाख 31हजार 983 मतदाता रह गए हैं। एसआईआर शुरू होने के पहले प्रदेश में 5 करोड़ 74 लाख छह हजार 143 मतदाता थे।

राज्य प्रशासनिक सेवा के 4 अधिकारी इधर से उधर

भोपाल, देशबन्धु। सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के 4 अधिकारियों का तबादला कर दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग के मुताबिक, शुजालपुर जिले के अपर कलेक्टर भुरला सिंह सोलंकी को स्थानांतरित करते हुए आगर मालवा जिला पंचायत का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। इसी तरह छतरपुर जिले में पदस्थ अपर कलेक्टर मिलिंद कुमार नामदेव को खरगोन जिला पंचायत का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। बुरहानपुर जिले के अपर कलेक्टर वीर सिंह चौहान को स्थानांतरित करते हुए उन्हें जिला पंचायत भिंड का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। उधर, अब तक इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के उप महाप्रबंधक रहे राकेश शर्मा को स्थानांतरित करते हुए मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, भोपाल का मुख्य महाप्रबंधक बनाया गया है।

भाई की लाईसेंसी बंदूक से की खुदकुशी

पूर्व विधायक के भांजे ने खुद को मारी गोली

अशोकनगर, देशबन्धु। भाजपा के पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी के के भांजे 26 वर्षीय गुरतेज संधू ने खुद को गोलीमार खुदकुशी कर ली। उन्होंने इंगलखेड़ा ग्राम स्थित अपने आवास पर बड़े भाई की लाईसेंसी बंदूक से खुद पर गोली चलाई। घटना उस वक्त हुई जब परिवार के सभी सदस्य एक सगाई समारोह में शामिल होने के लिए गए हुए थे।

बताया गया कि शुक्रवार को घटना के वक्त देहात थाना क्षेत्र स्थित इंगलखेड़ी गांव में गुरतेज घर पर अकेला था। बताया जा रहा है कि उसने अपने बड़े भाई की 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक की नाल अपने माथे पर रखी और गोली चला दी। धमाके की आवाज सुनकर घर में काम कर रहा नौकर घबरा गया। वह दौड़कर कमरे में पहुंचा, तो उसने देखा कि गुरतेज खून से लथपथ जमीन पर पड़ा था।

गुरतेज की हालत देखकर घबराया कर्मचारी बदहवास हालत में वहां से बाहर आया और वह ट्रैक्टर स्टार्ट किया और सीधे उस होटल पहुंचा, जहां सगाई कार्यक्रम चल रहा था। होटल पहुंचकर जब उसने यह सूचना दो, तो खुशियों का माहौल चीख पुकार में बदल गया और परिजन तत्काल घर पहुंचे। फिलहाल आत्महत्या के कारण का खुलासा नहीं हो सकता है। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी है।

पचमढ़ी के चौरागढ़ मेले में 2 श्रद्धालुओं की मौत

नंदीगढ़ में 50 फीट गहरी खाई में गिरा नागपुर का युवक; बुजुर्ग की हार्ट अटैक से जान गई...

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी में चौरागढ़ बाबा के मेले में दर्शन करने आए दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई और एक महिला लापता है। नंदीगढ़ पहाड़ी पर एक श्रद्धालु की 50 फीट गहरी खाई में गिरने से मौत हो गई, जबकि दूसरे श्रद्धालु की दर्शन कर लौटते समय हार्ट अटैक से जान चली गई। शुक्रवार को घटना की सूचना के बाद एसडीईआरएफ (स्ष्ठश्वक्रस्न) और पुलिस की टीम ने खाई से शव निकाला। पचमढ़ी पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर लिया है और शनिवार को लापता हुई महिला की संयुक्त रूप से सर्चिंग की जा रही है।

खाई में गिरने वाले मृतक की पहचान 45 वर्षीय गणेश मानवतकर के रूप में हुई है। वे नागपुर के जयंतनगर (कलमना थाना क्षेत्र) के रहने वाले थे। सोशल मीडिया पर शेयर की गई एक पोस्ट से मृतक की पहचान हो पाई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि गणेश मानवतकर हर साल चौरागढ़ महादेव के दर्शन के लिए आते थे। वे 9 फरवरी को नागपुर से निकले थे और नांदिया की तरफ से उन्होंने पैदल चढ़ाई शुरू की थी। इसी दौरान नंदीगढ़ की पहाड़ी (ट्रैक) से वे 50 फीट गहरी खाई में गिर गए।

एसडीईआरएफ और सिविल डिफेंस ने निकाला शव

शुक्रवार को लोगों की सूचना पर 50 फीट गहरी खाई में शव गिरा देखा गया। इसके बाद एसडीईआरएफ एवं सिविल डिफेंस की संयुक्त टीम 50 फीट गहरी खाई में उतरी। टीम ने शव को उठाकर पुलिस के सुपुर्द किया। सूचना मिलने के बाद शनिवार को मृतक की पत्नी और बेटा नांदिया पहुंच गए हैं।

एसडीईआरएफ और सिविल डिफेंस ने निकाला शव

शुक्रवार को लोगों की सूचना पर 50 फीट गहरी खाई में शव गिरा देखा गया। इसके बाद एसडीईआरएफ एवं सिविल डिफेंस की संयुक्त टीम 50 फीट गहरी खाई में उतरी। टीम ने शव को उठाकर पुलिस के सुपुर्द किया। सूचना मिलने के बाद शनिवार को मृतक की पत्नी और बेटा नांदिया पहुंच गए हैं।

दर्शन कर लौट रहे 75 वर्षीय बुजुर्ग को आया हार्ट अटैक

दूसरी घटना ग्राम नांदिया के पास पहाड़ उतरते समय हुई। यहां नसरुल्लागंज निवासी 75 वर्षीय बुजुर्ग मनोहर कास्दे की हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। उनके साथियों ने बताया कि वे सभी चौरागढ़ महादेव के दर्शन करके पहाड़ी से नीचे उतरकर आ रहे थे। नांदिया से पहले बुजुर्ग को सीने में दर्द हुआ। उन्हें तत्काल अस्थाई मेडिकल कैंप ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

वरिष्ठ पत्रकार राकेश अचल मुंबई में वाग्धारा नवरत्न सम्मान से अलंकृत

मुंबई, देशबन्धु। मप्र के वरिष्ठ पत्रकार राकेश अचल को आज यहाँ पत्रकारिता में अभूतपूर्व योगदान के लिए प्रतिष्ठित वाग्धारा नवरत्न सम्मान से अलंकृत किया गया। महाराष्ट के पूर्व राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी के मुख्य आतिथ्य और और प्रदेश के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह की अध्यक्षता मे आयोजित एक गरिमामयी समारोह मे ये सम्मान दिया गया। समारोह को संबोधित करते हुए श्री कोश्यारी ने विकास के साथ विरासत पर ज़ोर देते हुए कहा कि बिना भारतीय आध्यात्म और दर्शन का अध्ययन किए एआई अधूरी है.वाग्धारा के अध्यक्ष डॉ वागीश सारस्वत ने अतिथियों का स्वागत किया और फ़िल्म जगत के युवा कलाकार रवि यादव ने कार्यक्रम का संचालन किया। हिन्दुस्तानी प्रचार सभा के सभागार में आयोजित इस समारोह में देश के वरिष्ठ पत्रकार विश्वनाथ सचदेव को वर्ष 2025 का वाग्धारा जीवन गौरव सम्मान% तथा जाने माने लेखक व निर्देशक रूमी जाफ़री को %वाग्धारा जूरी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।कालनिर्णय के जयराज सालगांवकर को भाषा सेतु, डॉ.संजय दुधाट को स्वास्थ्य व चिकित्सा, डॉ.अर्चना शर्मा (रायपुर) को विज्ञान व आधुनिक तंत्र, डॉ.कृष्णकुमार मिश्र को शिक्षा, विजय पंडित को रंगमंच, अरविंद बब्बल को सिनेमा और टेलीविजन, जयंतीमाला मिश्रा को नृत्य, नाशिक के शंकर कनौजिया एवं दतिया के आलोक सोनी को समाजसेवा के लिए वाग्धारा नवरत्न सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में अचल परिवार की ओर से श्रीमती पुष्पा शर्मा, सुधांशु शर्मा, नीतू शर्मा और आरव शर्मा भी उपस्थित थे।

CHANGE OF NAME

1, SHRIMATI DEVI IS MOTHER OF ARMY NO 15745361K RANK L/NK NAME DEEPAK KUMAR SERVING IN 36 RAPID SIG REGT (AREN) C/O 56 APO HOME ADDRESS AT MAHMOOD PUR, BAREILLY, UTTAR PRADESH 243301, HAVE CHANGED MY NAME from SHRIMATI DEVI TO SHRIVATI IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED 14/02/2026 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P.

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO 4580531K RANK L/HAV NAME BARVE PANDURANG SERVING IN 8 MAHAR PRESENT UNIT 51 R R C/O 56 APO HOME ADDRESS AT K4/613 SAMTA SOCIETY, STATION ROAD, M.M.R.D.A. VASHAT, KANJUR MAGR WEST, VTC: MUMBAI, PO: BHANDUP WEST, SUB DISTRICT: MUMBAI, DISTRICT: MUMBAI STATE: MAHARASHTRA, PIN 400078, HAVE CHANGED MY SON NAME FROM KUNAL TO KUNAL PANDURANG BARVE IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED 14/02/2026 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P.

CHANGE OF NAME

I, SHOVA NAIR IS MOTHER OF NO-14685210H RANK NK NAME MANOJ KUMAR NAIR SERVING IN 636 EME BN C/O 56 APO HOME ADDRESS AT 12/74, 9TH CROSS ROAD, JJ NAGAR, BHARATHIYAR UNIVERSITY PO: COIMBATORE NORTH, BHARATHIYAR UNIVERSITY COIMBATORE, TAMIL NADU, 641046, HAVE CHANGED MY NAME FROM SHOVA NAIR TO SHOBHA SANKAR KUTTY NAIR IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED 14/02/2026 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P.

CHANGE OF NAME

I, DEEPALI IS LEGALLY WEDDED SPOUSE OF ARMY NO-4580531K RANK L/HAV NAME BARVE PANDURANG SERVING IN 8 MAHAR PRESENT UNIT 51 R R C/O 56 APO HOME ADDRESS AT K4/613 SAMTA SOCIETY, STATION ROAD, M.M.R.D.A. VASHAT, KANJUR MAGR WEST, VTC: MUMBAI, PO: BHANDUP WEST, SUB DISTRICT: MUMBAI, DISTRICT: MUMBAI STATE: MAHARASHTRA, PIN 400078, HAVE CHANGED MY NAME FROM DEEPALI TO DIPALI PANDURANG BARVE IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED 14/02/2026 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P.

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO 4580531K RANK L/HAV NAME BARVE PANDURANG SERVING IN 8 MAHAR PRESENT UNIT 51 RR C/O 56 APO HOME ADDRESS AT K4/613 SAMTA SOCIETY, STATION ROAD, M.M.R.D.A. VASHAT, KANJUR MAGR WEST, VTC: MUMBAI, PO: BHANDUP WEST, SUB DISTRICT: MUMBAI, DISTRICT: MUMBAI STATE: MAHARASHTRA, PIN 400078, HAVE CHANGED MY SON NAME FROM HARSHAD TO HARSHAD PANDURANG BARVE IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED 14/02/2026 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P:

दूरभाष 07582-223308
फैक्स 07582-222070, 224543
ई मेल - admsagar41@gmail.com

न्यायालय अपर कलेक्टर, एवं विवाह अधिकारी, जिला-सागर म.प्र.

प्रकरण क्रमांक...../स-150/2025-26

विज्ञप्ति

चूँकि, विवाह के रजिस्ट्रीकरण के लिए (वर) **श्री विकास सोनी** पिता श्री हनुमान प्रसाद सोनी उम्र-48 वर्ष निवासी मिश्रा कुंआ मोहननगर वार्ड सागर तहसील व जिला सागर (म.प्र.) एवं (वधू) **श्रीमति ऊषा उर्फ रेनू स्वर्णकार** पुत्री श्री राजाराम सोनी उम्र-46 वर्ष निवासी मोहननगर वार्ड सागर तहसील व जिला सागर (म.प्र.) द्वारा स्वयं के विवाह दिनांक 20.02.2006 जो स्थान चैत्यालय भवन सागर तहसील व जिला सागर (म.प्र.) से होना लेख किया है जिसके संबंध में आवेदन जिसकी प्रति संलग्न है अधोहस्ताक्षरी को आवेदन प्रस्तुत किया गया है और उक्त आवेदन पर विचार करने के लिए तारीख **10.03.2026** नियत की गई है।

आपको एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि आज इस सूचना की प्राप्ति से नियत दिनांक 10.03.2026 तक अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें कि क्या आप उपरोक्त आवेदन पत्र में वर्णित विशिष्ट्यों की सत्यता को स्वीकार करते है और क्या विवाह के तथ्यों को विवाह रजिस्टर में प्रविष्टि किये जाने एवं विवाह प्रमाण पत्र जारी किये जाने के सम्बन्ध में आपको कोई आपत्ति है।

यदि उपरोक्त कालावधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती तो यह समझा जावेगा के विवाह के रजिस्ट्रीकरण के सम्बन्ध में आपको कोई आपत्ति नहीं है। आप व्यक्तिगत रूप से तारीख ऊपरवर्णित को उपस्थित हो सकते हैं और ऐसा न करने पर कार्यवाहियाँ आपकी अनुपस्थिति में विनिश्चय की जाने के दायित्वाधीन होंगी।

अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला-सागर म.प्र.

सार समाचार

सोलंदी बलाई समाज युवा संगठन के अध्यक्ष बने

आष्टा, देशबन्धु। अखिल भारतीय बलाई समाज आष्टा, जावर युवा संगठन का चुनाव समाज के वरिष्ठ जन द्वारा निर्विरोध चुने गये। जिसमें मुकेश मालवीय को युवा संगठन का अध्यक्ष एवं जितेन्द्र सोलंकी को कार्यक्रम चलसमारोह का अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया। बैठक में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक रघुनाथ सिंह मालवीय, बापू लाल मालवीय, जिला पंचायत सदस्य कमल सिंह चौहान, बलदेवसिंह मालवीय देवकरण सिंह पूर्व सरपंच, जगदीश चौहान, बाबूलाल मालवीय पूर्व पार्षद, कृपाल सिंह मालीखेड़ी का संरक्षण रहा। गजराज सिंह सोलंकी रामचरण दवरिया, बंशीलाल बाम्बे, मनोहर सिंह, पूर्व सरपंच अंबाराम, रूप सिंह गोरिया, ज्ञान सिंह चौहान, रवि मालवीय, ईमरतलाल, बलदेव सिंह मालवीय, कमल सिंह, राहुल परमल, लाड सिंह सोलंकी, नारायण सिंह, मुकेश सोलंकी, पप्पू मलेशिया, राजाराम शेट्टी, जीवन सिंह, एवं समाज के सभी वरिष्ठ जनो मैं अपनी अपनी सहमति जताई।

घर में मिला 45 वर्षीय व्यक्ति का संदिग्ध हालत में शव

बढ़ते अपराधों पर फिर उठे सवाल, हत्या की आशंका

टीकमगढ़, देशबन्धु। शहर में लगातार बढ़ रहे अपराधों पर अंकुश न लग पाने का एक और गंभीर मामला सामने आया है। पुरानी टेहरी मोहल्ले में शनिवार को 45 वर्षीय रामकिशोर रजक का शव उनके ही घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। प्रारंभिक जांच में यह मामला सामान्य मौत का न होकर हत्या की ओर इशारा कर रहा है, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

मृतक रामकिशोर रजक अपनी पत्नी सीमा और एक बेटे के साथ रहते थे, जबकि दूसरा बेटा दिल्ली में निवासरत है। पुलिस को घटनास्थल पर मकान की दीवारों पर खून के स्पष्ट निशान मिले हैं, वहीं फर्श पर टूटे हुए टुकड़े भी पाए गए, जिससे संघर्ष की आशंका और गहरी हो गई है।

सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे घर को जांच के दायरे में ले लिया। पूछताछ के लिए मृतक की पत्नी सीमा और बेटे को हिरासत में लिया गया है। घटनास्थल को सील कर साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की जा रही है।

कोतवाली थाना प्रभारी रवि भूषण पाठक ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वॉड और फिंगर प्रिंट विशेषज्ञों से घटनास्थल की बारीकी से जांच कराई जा रही है। पत्नी और बेटे से गहन पूछताछ जारी है। शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा किया जाएगा। हालांकि, शहर में लगातार सामने आ रही हत्या और गंभीर अपराध की घटनाएं कानून-व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही हैं। अपराधी बेखौफ नजर आ रहे हैं, जबकि आम नागरिक असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई और सख्त निगरानी नहीं की गई, तो शहर में अपराध की स्थिति और भयावह हो सकती है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है, लेकिन जनता को अब केवल जांच नहीं, ठोस परिणाम चाहिए।

कारी में सामाजिक सौहार्द की मिसाल, संवाद से सुलझा 2 समाजों का विवाद

टीकमगढ़, देशबन्धु। थाना देहात क्षेत्र अंतर्गत नगर परिषद कारी में वंशकार समाज द्वारा यह शिकायत सामने आई थी कि सेन समाज के कुछ दुकानदार वंशकार समाज के लोगों के बाल नहीं काट रहे हैं। इस विषय को लेकर सामाजिक तनाव की स्थिति बनने की आशंका को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने समय रहते हस्तक्षेप कर संवाद के माध्यम से समाधान की पहल की।

यह मामला पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाहा के बुंदेली जन चौपाल कार्यक्रम के अंतर्गत संज्ञान में आया। आपसी भाईचारा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से अनुभाग अधिकारी पुलिस राहुल कटरे के निर्देशन में थाना प्रभारी देहात चंद्रजीत यादव द्वारा ग्राम कारी में दोनों समाजों के लोगों एवं गणमान्य नागरिकों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सेन समाज और वंशकार समाज के प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी बात खुलकर रखी। दोनों पक्षों की बातों को गंभीरता से सुनने के बाद पुलिस द्वारा आपसी तालमेल, समझदारी और सामाजिक समरसता बनाए रखने की सलाह दी गई, जिसे दोनों समाजों ने सहर्ष स्वीकार किया।

संवाद के बाद सेन समाज के लोगों ने वंशकार समाज के लोगों के बाल काटने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से विवाद समाप्त करते हुए किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई न करने का निर्णय लिया। इस तरह आपसी समझ, सूझबूझ और संवाद से समस्या का शांतिपूर्ण समाधान निकला।

बैठक में सेन समाज की ओर से गोरेलाल सेन (राष्ट्रीय अध्यक्ष), धनीराम सेन (जिला अध्यक्ष), किशोरी सेन, अमर सेन और रामेश्वर सेन उपस्थित रहे। वहीं वंशकार समाज की ओर से अमन वंशकार (जिला महामंत्री), बृजेश वंशकार, अनिल वंशकार, रिंकू वंशकार, हरिप्रसाद वंशकार, शिवचरण वंशकार, राहुल वंशकार सहित अन्य लोग शामिल हुए। इसके अलावा धानुक समाज के जिला मीडिया प्रभारी शत्रुघ्न बांधकर, शिव वर्मा सहित कई गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति भी रही।

इस पूरे मामले के शांतिपूर्ण निराकरण में कारी बीट प्रधान आरक्षक सतीश शर्मा, महिला आरक्षक शिवानी दांगी एवं आरक्षक कमल की भूमिका सराहनीय रही।

शिव की आराधना सबसे सरल और सहज : देवका दीक्षित

झाड़ी धाम आलमपुरा में शिव पुराण कथा का भव्य आयोजन

टीकमगढ़ पलेरा। भगवान शिव की आराधना सबसे सरल, सहज और कल्याणकारी है। शिव भक्ति के माध्यम से व्यक्ति शाश्वत, निराकार और परम कल्याणकारी स्वरूप की उपासना करता है। यह उद्गार झाड़ी धाम आलमपुरा में आयोजित शिव पुराण कथा के दौरान कथा व्यास देवका दीक्षित ने व्यक्त किए।

पलेरा जनपद क्षेत्र के ग्राम आलमपुरा स्थित धार्मिक तीर्थ स्थल झाड़ी धाम में कैलाश नारायण राय पूर्व सैनिक, उनकी धर्मपत्नी फूला देवी, काजल देवी पत्नी भागचंद राय निवासी आलमपुरा द्वारा लगातार सात वर्षों से धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों का क्रम जारी है। इस वर्ष शिव पुराण कथा का आयोजन कराया गया, जिसमें बुंदेलखंड क्षेत्र की अष्टादश महापुराण परंपरा की सुप्रसिद्ध बाल कथा व्यास देवका दीक्षित के मुखारविंद से श्रद्धालु कथा का रसपान कर रहे हैं। कथा में उनके छोटे भाई अभिराम दीक्षित भी संगीत व कथा वाचन में सहभागिता निभा रहे हैं।

कथा व्यास देवका दीक्षित ने व्यास गद्दी से शिव पुराण के महत्व को विस्तार से समझाते हुए बताया कि शिव पुराण ज्ञान और भक्ति का सर्वोच्च ग्रंथ है। भगवान शिव की उपासना करने से व्यक्ति के सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं। उन्होंने शिव-पार्वती विवाह प्रसंग के माध्यम से परिवार, समाज और विशेष रूप से महिलाओं एवं बेटियों को संस्कार और संस्कृति का मार्ग दिखाया।

कथा मंच से समाजसेवी संतोष गंगेले कर्मयोगी नौगांव बुंदेलखंड ने भी उद्बोधन देते हुए भारतीय संस्कृति, संस्कार, नैतिक मूल्यों, महिलाओं के संरक्षण और बेटियों के चरित्र निर्माण पर अपने विचार रखे और समाज को सही दिशा देने का आह्वान किया।

कथा व्यास देवका दीक्षित के जीवन प्रसंगों का उल्लेख करते हुए बताया गया कि मात्र पांच वर्ष की आयु में ही वे अपने पिता को प्रवचनों में साथ ले जाने लगी थीं। वहीं से उनके जीवन को कथा वाचन की दिशा मिली।

आज वे देश की सबसे कम उम्र की कथा व्यास के रूप में शिव पुराण, भागवत और रामकथा का वाचन कर रही हैं। उनका छोटा भाई भी मात्र नौ वर्ष की आयु में व्यास गद्दी पर बैठकर कथा वाचन का प्रयास कर रहा है। माता अर्चना देवी और पिता अरुण कुमार दीक्षित स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं कि उनकी संतानें सनातन संस्कृति और आध्यात्मिकता के संरक्षण में जीवन समर्पित कर रही हैं।

झाड़ी सरकार आलमपुरा में राय परिवार द्वारा आयोजित इस धार्मिक आयोजन में सत्यनारायण राय, कमलेश राय, रविशंकर राय, पवन राय, दर्शन राय, पुष्पेंद्र, मयंक, रिशु, गोलू, कालू, चेतन, भविष्य, पवित्र, शंभू, रामराम, किशोरी कुशवाहा, रंजीत कुशवाहा, बंटी सेन, नाथूराम पाल, चरणदास कुशवाहा, कामता कुशवाहा सहित अनेक श्रद्धालु सहयोग और सहभागिता निभा रहे हैं।

सोमवार 16 तारीख को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें समस्त क्षेत्रवासियों से प्रसाद ग्रहण करने एवं भंडारे में शामिल होने की अपील की गई है।

संवेदनशीलता और सेवा की मिसाल

बुड़ेरा पुलिस ने घायल दम्पति को पहुंचाया अस्पताल

टीकमगढ़, देशबन्धु। आमजन की सहायता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और आपात स्थितियों में त्वरित, संवेदनशील एवं मानवीय सहयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों का प्रभाव जमीन पर भी दिखाई दे रहा है।

इसी कड़ी में 13 फरवरी 2026 को दोपहर लगभग 12:41 बजे थाना बुड़ेरा क्षेत्र अंतर्गत नयागांव रोड पर 2 मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। दुर्घटना में एक पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही डायल-112 को सूचना प्राप्त हुई, जिसके बाद बिना किसी विलंब के एफआरवी वाहन को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।

डायल-112 में तैनात पुलिस आरक्षक अजय धुर्वे और पायलट अयोध्या प्रसाद बंसकार मौके पर पहुंचे और तत्काल स्थिति का आकलन किया। दोनों घायल दम्पति की हालत गंभीर थी और उन्हें तत्काल चिकित्सीय सहायता की आवश्यकता थी। समय की गंभीरता को समझते हुए पुलिस जवानों ने पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ घायलों को एफआरवी वाहन में सुरक्षित रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्देवगढ़ पहुंचाया, जहां उनका उपचार शुरू कराया गया।

पुलिस की इस त्वरित और कार्रवाई के चलते घायल दम्पति को समय पर इलाज मिल सका, जिससे उनकी हालत में सुधार की संभावना बनी। स्थानीय नागरिकों ने भी डायल-112 की तत्परता और पुलिस कर्मियों की मानवीय सोच की सराहना की।

पंचकोशी यात्रा का आगमन, श्रद्धालुओं के लिए की व्यापक व्यवस्थाएं

भेरूंदा, देशबन्धु। धार्मिक आस्था की प्रतीक पंचकोशी पदयात्रा का आज भव्य आगमन छिपानेर में हुआ। नेमावर स्थित पावन मां नर्मदा तट से प्रारंभ हुई यह यात्रा हजारों श्रद्धालुओं के साथ सीहोर जिले के दादाजी धाम छिपानेर पहुंची। यह पदयात्रा वर्ष 1987 से निरंतर आयोजित की जा रही है।

शुरुआत में कुछ श्रद्धालुओं के साथ शुरू हुई यह परिक्रमा आज नर्मदा भक्तों की विशाल आस्था यात्रा का रूप ले चुकी है। लगभग 80 किलोमीटर की यह पंचकोशी परिक्रमा विभिन्न गावों से होकर गुजरती है और श्रद्धालुओं को मां नर्मदा के प्रमुख घाटों एवं धार्मिक स्थलों के दर्शन कराती है। यात्रा के छिपानेर आगमन को लेकर प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं।

यहां 70 से अधिक पुलिस जवान व्यवस्था संभालनें के लिए तैनात हैं। थाना भैरुंदा और गोपालपुर से 15 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, वहीं पुलिस लाइन से अतिरिक्त बल भी बुलाया गया है। घाट क्षेत्र, मुख्य मार्गों, पार्किंग स्थलों और भीड़ संभावित स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। ग्राम सरपंच और सचिव ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए चाय, नाश्ता एवं भोजन की नि:शुल्क व्यवस्था की गई है। यात्रा के एक दिन पूर्व भैरुंदा एसडीओपी रोशन कुमार जैन ने छिपानेर पहुंचकर संपूर्ण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस बल एवं संबंधित अधिकारियों को भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा इंतजाम, यातायात व्यवस्था और घाट क्षेत्रों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि यात्रा को लेकर सभी तैयारियां पूर्व में ही पूर्ण कर ली गई थीं। अतिरिक्त पुलिस बल, गौताखोर और होमगार्ड जवानों की तैनाती की गई है।

वार्ड क्रमांक 7 के क्षेत्रवासियों ने किया

गंदगी फैलाने वालों पर भारी जुर्माना और कड़ी निगरानी जरूरी: नपाध्यक्ष

सीहोर, देशबन्धु। शहर में विकास कार्य तेजी से किए जा रहे है। वहीं शहर को सुंदर और स्वच्छ रखने के लिए भी नगर पालिका का अमला सतर्क है। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने शनिवार को शहर के वार्ड क्रमांक सात में सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। इस मौके पर उन्होंने कहाकि सड़क का निर्माण पूरी गुणवत्ता के साथ समयसीमा पर किया जाए। इस मौके पर उन्होंने 19 लाख से सीसी रोड के कार्य का यहां पर मौजूद क्षेत्रवासियों से भूमि पूजन कार्य का शुभारंभ कराया।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहाकि गंदगी फैलाने वालों पर भारी जुर्माना और कड़ी निगरानी जरूरी, इसके लिए शहर में स्वच्छता मित्रतों के अलावा कचरा गाड़ी आदि लगाई गई है। वहीं नगर में लोगों को शुद्ध जल उपलब्ध हो इसके लिए भी नगर पालिका जल प्रभारी से चर्चा की। वार्ड क्रमांक सात के पार्षद विजेन्द्र परमार ने बताया कि नगर पालिका अध्यक्ष श्री राठौर के द्वारा क्षेत्र अंतर्गत शिवाजी कालोनी, जितेन्द्र कुशवाह से मालवीय के घर तक शिव मंदिर से गोविन्द्र गीते तक एवं गोपाल कुशवाह से राम सिंह के तक सीसी रोड का निर्माण कार्य का भूमि पूजन कराया गया। कार्यक्रम के दौरान पार्षद राजेश मांझी, नरेन्द्र राजपूत, अजय पाल सिंह राजपूत आदि शामिल थे।

दिव्यांग सहायक वितरण कार्यक्रम हुआ संपन्न

गंजबसोदा, देशबन्धु। माध्यमिक शाला हाजीपुर के परिसर दिव्यांग विद्यार्थियों का विकासखंड स्तरीय सहायक उपकरण वितरण एवं नगरपालिका के द्वार कराये जा रहे विभिन्न निमार्ण कार्यो के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम विधायक उमाकांत शर्मा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ जिसमें 70 दिव्यांगों विद्यार्थियो को 3 लाख 60 हजार की लागत से विभिन्न सहायक उपकरण प्रदाय किए गए। जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र एवं भारत माता के चित्र पर माल्यापर्ण एवं कन्या पूजन से किया गया तथा विधायक जी के द्वारा उपस्थित सभी दिव्यांगो विद्यार्थियों पर पुष्पवर्षा कर एवं पटका पहना कर उनका सम्मान किया गया।

पुलिस बल का मानसिक सेहत पर फोकस

हार्टफुलनेस प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक से की मुलाकात

टीकमगढ़, देशबन्धु। पुलिस बल की मानसिक मजबूती, आंतरिक संतुलन और कार्यकुशलता बढ़ाने की दिशा में टीकमगढ़ पुलिस एक ठोस और संवेदनशील पहल को आगे बढ़ा रही है। इसी कड़ी में 13 फरवरी को हार्टफुलनेस संस्थान के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई से शिष्टाचार भेंट कर जिले में संचालित ध्यान सत्रों की प्रगति, प्रभाव और भविष्य की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की।

यह बैठक हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट एवं मध्य प्रदेश पुलिस के बीच हुए एमओयू के अंतर्गत आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य पुलिसकर्मियों को तनावमुक्त, संतुलित और सकारात्मक कार्य वातावरण प्रदान करना है।

हार्टफुलनेस संस्थान के रीजनल फैसिलिटेटर गजेंद्र गौतम ने पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया कि टीकमगढ़ जिले के विभिन्न पुलिस थानों में नियमित रूप से ध्यान सत्र संचालित किए जा रहे हैं। इन सत्रों में पुलिसकर्मियों की सहभागिता लगातार बढ़ रही है और इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

उन्होंने ध्यान कार्यक्रमों की वर्तमान स्थिति, सहभागिता का आंकलन और आगामी कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए बताया कि आने वाले समय में इसे और अधिक संगठित, प्रभावी और नियमित रूप दिया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने ध्यान सत्रों को पुलिस बल के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि मानसिक संतुलन और आंतरिक शांति से ही बेहतर निर्णय क्षमता और जनसंवेदनशील पुलिसिंग संभव है।

उन्होंने निर्देश दिए कि इन सत्रों का सुव्यवस्थित संचालन, सतत मॉनिटरिंग और अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की जाए, ताकि इसका लाभ हर स्तर तक पहुंचे।

उनका स्पष्ट कहना था कि ध्यान केवल व्यक्तिगत लाभ तक सीमित नहीं, बल्कि यह पुलिस की कार्यसंस्कृति और जनता से जुड़ाव को भी मजबूत करता है।

कार्यक्रम को मिलेगा और विस्तार

हार्टफुलनेस ध्यान केंद्र टीकमगढ़ के समन्वयक नितिन कुमार बबेले ने जानकारी दी कि जिले के प्रत्येक थाना स्तर पर नियमित ध्यान सत्र आयोजित किए जा रहे हैं और भविष्य में इन्हें और अधिक प्रभावी रूप में लागू किया जाएगा।

मंदिर जाएं तो स्व-कल्याण का भाव रखें : मुनिश्री

आष्टा, देशबन्धु। चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर अरिहंतपुरम में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री संस्कार सागर मुनिराज ने कहा कि गुरुओं का समागम प्रतिदिन नहीं होता, यह पुण्य के उदय से ही प्राप्त होता है। जब सानिध्य मिले तो उसका पूरा लाभ लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि चक्रवर्ती छ: खंड का स्वामी होता है, अपार वैभव का अधिकारी होता है, आज लोग थोड़े लालच में भगवान के दर्शन करने जाना छोड़ देते हैं, पहली प्राथमिकता उनकी धन होती है। किंतु सम्यकदृष्टि जीव अपने कर्तव्य से विमुख नहीं होता। वह सर्वप्रथम देव, शास्त्र और गुरु की आराधना करता है। मुनिश्री ने कहा कि जिस कार्य में व्यक्ति की श्रद्धा और रुचि होती है, वह उसे पूर्ण भक्ति भाव से करता है। सम्यकदृष्टि जीव यदि अपने नित्य धर्मकार्य नहीं कर पाता तो उसके मन में कमी का भाव आता है कि आज मेरा आवश्यक कार्य रह गया। जैन दर्शन भावप्रधान है। भाव पूर्वक, श्रद्धा और रुचि के साथ भगवान की पूजा करने से महान पुण्य की प्राप्ति होती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ट्रेन पकड़ने के लिए व्यक्ति समय से पहले रेलवे स्टेशन पहुंच जाता है, लेकिन मंदिर और धर्मसभा के प्रति वैसी तत्परता नहीं दिखाता। जिनेन्द्र भगवान के दर्शन से अनंत पापों का क्षय होता है। जैसे कालिया नाग के समान कर्म शिथिल हो जाते हैं, वैसे ही भगवान के सच्चे दर्शन से अंत:करण निर्मल होता है। देव,शास्त्र और गुरु के दर्शन करते समय औपचारिकता नहीं, अपितु एकाग्र भाव से प्रभु को निहारना चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि आज व्यक्ति दूसरों की चिंता में अधिक रहता है, स्वयं के कल्याण पर ध्यान नहीं देता। संतों का धर्मोपदेश भी अपने आत्मकल्याण के लिए होता है। मंदिर जाएं तो 'स्व' का प्रयोजन रखें, पर का नहीं। घर से निकलते समय ही भगवान के दर्शन, पूजा और अभिषेक का स्पष्ट भाव बना लें। मात्र मंदिर जाने का भाव बनाने से ही लाख गुना पुण्य का बंध होता है। मुनिश्री संस्कार सागर मुनिराज ने आगे कहा कि जैसे किसी अंधे और निर्धन व्यक्ति को नेत्र और निधि दोनों मिल जाएं तो उसकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहता, वैसे ही भगवान के दर्शन करते समय वही आंतरिक आनंद और कृतज्ञता का अनुभव होना चाहिए। ज्ञान ऐसा धन है जिसे कोई चुरा नहीं सकता,बल्कि जितना बांटेंगे उतना बढ़ेगा। आज व्यक्ति धन संचय में लगा है, पुण्य संचय में नहीं। मुनिश्री ने प्रसंग सुनाते हुए कहा कि त्रियंच पर्याय में बैल के जीव ने भावपूर्वक जिनवाणी श्रवण किया तो अगले जन्म में सुग्रीव बना और श्रीराम का मित्र बना। मोबाइल जैसे साधन मनुष्य को असत्य बोलना अधिक सिखा रहे हैं, इसलिए मंदिर में निर्विकल्प भाव से जाएं।धनंजय सेठ के पुत्र का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने बताया कि सर्पदंश के बाद भी सेठ ने भगवान की आराधना नहीं छोड़ी संकल्प अडिग रखा। उनकी पत्नी बालक को लेकर मंदिर पहुंची और प्रभु चरणों में समर्पित किया। सेठ के पुण्य उदय से बालक की रक्षा हुई।

उन्होंने कहा कि सारा खेल पुण्य और पाप का है। किसी भी क्रिया को करने से पहले उसके फल को समझें। मात्र एक मुट्ठी चावल चढ़ा देने से जैन नहीं बनते, अपितु समझ और भावपूर्वक की गई क्रिया ही फलदायी होती है।

सार समाचार

शिविर में वरिष्ठजनों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

पन्ना, देशबन्धु। आयुष विभाग द्वारा गहरा एनएमडीसी स्थित वृद्ध आश्रम में वरिष्ठजनों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए दो दिवसीय शिविर लगाया गया। इस अवसर पर शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम भी हुआ। डॉ. दुर्गा त्रिपाठी ने वृद्धाश्रम के बारे में संक्षिप्त उद्बोधन दिया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. रितु द्विवेदी द्वारा शिविर के उद्देश्य और रूपरेखा के संबंध में अवगत कराया गया। इस क्रम में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीरज तिवारी ने आयुर्वेद के सिद्धांत एवं वात, पित्त व कफ दोष के विषय में और मनोरोग चिकित्सक डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने मानसिक रोग से बचाव के लिए सेवा व देखभाल के तरीके व उपाय संबंधी जानकारी दी।

पेंशनर संघ के मुरारीलाल थापक द्वारा शिविर की प्रशंसा कर आगामी दिवसों में भी कैम्प आयोजन का अनुरोध किया गया। गत गुरूवार को शिविर का शुभारंभ वृद्धजनों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ हुआ, जबकि समापन दिवस पर शुक्रवार को शिविर प्रभारी डॉ. विवेक कुमार चौबे ने आहार-विहार, दिनचर्या और ऋतुचर्या विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। वरिष्ठजनों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान भी किया गया। शिविर में सामाजिक न्याय विभाग से राकेश अग्निहोत्री, संतोष मिश्रा, जगदीश खरे, राजेश जैन, प्रमोद पाठक, देवीप्रसाद दीक्षित, फार्मासिस्ट प्रेमा प्रजापति, दवासाज नरेन्द्र कुमार त्रिवेदी एवं सतेन्द्र मोहन श्रीवास, योग प्रशिक्षक इंद्रप्रकाश, योगा सहायक अर्पिता त्रिवेदी एवं आयुष विभाग के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

लाड़ली बहनों को मिली राशि

पन्ना, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को खण्डवा जिले के पंधाना से सिंगल क्लिक के जरिए लाड़ली बहनों को वर्तमान फरवरी माह की आर्थिक सहायता राशि का अंतरण किया। इस मौके पर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की महिला हितग्राहियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भागीदारी की तथा मुख्यमंत्री के उद्बोधन को देखा एवं सुना। इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी अवधेश कुमार सिंह एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारीगण भी मौजूद थे। जिले की सभी ग्राम पंचायतों, ग्रामों और वार्डों में भी कार्यक्रम का लाइव प्रसारण हुआ। पन्ना जिले की एक लाख 80 हजार 451 लाड़ली बहनों को 26 करोड़ 58 लाख रूपए का भुगतान किया गया।

आकाश अग्रवाल ने किया जरूरतमंद को रक्तदान

दमोह देशबन्धु। पुलवामा हमले के शहीदों को नमन करते हुए मानवता की सेवा का संदेश देते हुए महामाया रक्तदान एवं जनकल्याण समिति के सदस्य आकाश अग्रवाल ने ओ पॉजिटिव रक्तदान किया। समिति के अध्यक्ष अखिलेश रजक द्वारा आकाश अग्रवाल एवं गजेंद्र अहीरवाल को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष अखिलेश रजक ने सभी लोगों से अपील की कि जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए आगे आएं और अधिक से अधिक रक्तदान करें। रक्तदान महादान है - आपका एक कदम किसी की जिंदगी बचा सकता है। सहयोगी सदस्य सहयोगी अध्यक्ष अखिलेश रजक, डॉ अमित प्रकाश जैन, डॉ दिवाकर पटेल, डॉ प्रेमलता नीलम, सुमन चढ़ार, सचिव अभिषेक जैन, कोषाध्यक्ष आशीष रजक, अनुज अरोरा, सिकंदर खरारे, दाम्मू रजक एवं ब्लड बैंक स्टाफउषा यादव, प्रीति गुप्ता, सौरभ खरे, जीतेंद्र रैकवार संजय प्यासी आदि की उपस्थिति रहीं।

नोहलेश्वर महोत्सव से सेवा, संस्कार और समर्पण की प्रेरणा पूरे देश में पहुंचे : लोधी

दमोह देशबन्धु। संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह लोधी के मार्गदर्शन में एवं महोत्सव संयोजक सत्येंद्र सिंह के नेतृत्व में नोहटा धाम में आयोजित पावन नोहलेश्वर महोत्सव 2026 का आठवां दिवस भक्ति, संस्कृति और शिक्षा सेवा के अद्भुत समन्वय का साक्षी बना। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना एवं चरण वंदना के साथ हुआ, जिसके पश्चात भव्य सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रारंभ हुई।

इस अवसर पर देश के सुप्रसिद्ध कलाकार पुनीत इस्सर की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष आयाम प्रदान किया। लगभग 150 कलाकारों की विशाल टीम ने मंच पर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन का अत्यंत प्रभावशाली और जीवंत चित्रण प्रस्तुत किया।

भगवान श्रीराम के जन्म से लेकर वनवास, रावण वध और अयोध्या आगमन तक की प्रमुख घटनाओं का मंचन भावपूर्ण शैली में किया गया। भव्य परिधान, सजीव संवाद और आकर्षक मंच सज्जा ने दर्शकों को त्रेतायुग की दिव्य कथा का साक्षी बना दिया। पुनीत इस्सर के निर्देशन और अभिनय ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए और तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा परिसर गूंज उठा। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि नोहलेश्वर महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि 'समग्र विकास' की एक सशक्त पहल है, जहां भक्ति के साथ-साथ शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है। हमारा स्पष्ट लक्ष्य है कि क्षेत्र का प्रत्येक बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़कर आत्मनिर्भर और सक्षम नागरिक बने। साथ ही नवोदय कोचिंग, स्मार्ट क्लासेस और निरूशुल्क पुस्तकालय जैसी पहलें केवल योजनाएं नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन के मजबूत स्तंभ हैं। हम 'विकसित क्षेत्र दृ सशक्त युवा' के संकल्प के साथ कार्य कर रहे हैं। जब शिक्षा और संस्कृति का समन्वय होता है, तभी समाज में सकारात्मक परिवर्तन आता है। नोहटा धाम को हम एक आदर्श आध्यात्मिक, शैक्षणिक और पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा प्रयास है कि आने वाले समय में यह महोत्सव प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाए और यहां से सेवा, संस्कार और समर्पण की प्रेरणा पूरे देश में पहुंचे।

महोत्सव संयोजक सत्येंद्र सिंह ने कहा कि महोत्सव के मंच से सामाजिक सरोकारों को भी प्रमुखता दी गई। कृष्णभाव फाउंडेशन के तत्वावधान में विधानसभा क्षेत्र में संचालित निरूशुल्क नवोदय कोचिंग में निस्वार्थ भाव से सेवाएं दे रहे शिक्षकों एवं सहयोगी पालकों का सम्मान किया गया। यह केवल एक सम्मान समारोह नहीं, बल्कि शिक्षकों के समर्पण, सेवा और आत्मीयता का उत्सव था।

पूरे आयोजन में अनुशासन, श्रद्धा और सामाजिक प्रतिबद्धता का अद्भुत संगम देखने को मिला। नोहलेश्वर महोत्सव का यह दिवस न केवल सांस्कृतिक रूप से समृद्ध रहा, बल्कि शिक्षा, संस्कार और सेवा भावना के संदेश के साथ समाज को नई दिशा भी दे गया। नोहटा धाम एक बार फिर भक्ति, परंपरा और सामाजिक उत्तरदायित्व के संगम का प्रेरणादायी केंद्र बनकर उभरा।

राज्यमंत्री पटेल ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का किया लोकार्पण, कहा-

प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर

दमोह देशबन्धु। जब भी किसी क्षेत्र में विकास होता है तो उसका सीधा लाभ आमजन को मिलता है। पूर्व की स्थिति को समझे बिना वर्तमान की प्रगति का अंतर समझ में नहीं आता। हर जिले में लहलहाती फसलें, बढ़ते सिंचाई संसाधन और पक्के मकान प्रदेश के विकास की गवाही दे रहे है। पिछले 20-22 वर्षों में मध्यप्रदेश ने तीव्र गति से प्रगति की है और प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। इस आशय के विचार प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री लखन पटेल ने ग्राम खोजाखेड़ी में 65 लाख की लागत से नवनिर्मित उप-स्वास्थ्य केंद्र लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किये।

राज्यमंत्री पटेल ने कहा विधायक, मंत्री बनना तभी सार्थक है जब क्षेत्र की जनता को सुख मिले और विकास दिखाई दे। उन्होने कहा यदि मैं अपने क्षेत्र के प्रत्येक गांव और हर खेत तक पानी नहीं पहुंचा पाया, तो मेरा मंत्री या विधायक बनना सार्थक नहीं है। उन्होने कहा वे वर्ष 1983 से अपने विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय हैं और क्षेत्र के प्रत्येक गांव, गली और मोहल्ले से भली-भांति परिचित हैं। मेरी कार्यशैली हमेशा से 'पहले काम, फिर बात' की रही है और आगे भी जनहित में इसी सोच के साथ कार्य करते रहेंगे।

उन्होंने कहा क्षेत्र में लक्ष्य वर्ष 2028 तक 1 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना है। इसके आगे का उद्देश्य हर खेत तक पानी पहुंचाना है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार किसी भी कीमत पर यह लक्ष्य हासिल करेगी, ताकि किसान समृद्ध हों और प्रदेश आत्मनिर्भर बने।

राज्यमंत्री पटेल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे मुख्यमंत्री की किसान हितैषी घोषणाओं से अत्यंत प्रसन्न एवं अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि दमोह जिले के विकास के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा की गई घोषणाएं ऐतिहासिक हैं और इनसे क्षेत्र के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होने बताया मुख्यमंत्री द्वारा घोषित दुनय धाम योजना लगभग 400 से 500 करोड़ रुपये की लागत की महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना के माध्यम से क्षेत्र के 25 से 30 गांवों में प्रेशराइज्ड पाइपलाइन के जरिए सिंचाई का पानी पहुंचाया जाएगा। इससे किसानों को पर्याप्त जल उपलब्ध होगा और खेती की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा इन घोषणाओं से दमोह विधानसभा क्षेत्र के 33 गांवों को जोड़कर करीब 60 गांवों में सीधे सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इससे लाखों क्विंटल कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि धर्मेंद्र कटारे, जनपद अध्यक्ष पथरिया खिलान अहिरवार, नगर परिषद् अध्यक्ष सुन्दर लाल विश्वकर्मा, महेश पटेल, श्याम गर्ग, पँडित नरेंद्र व्यास, पूर्व मंडी अध्यक्ष खरगराम पटेल, खौजाखेडी सरपंच श्याम पटेल, केदार चौधरी, मान चौधरी, गणेश पटेल एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी/कर्मचारी डॉ. पुष्पेन्द्र त्रिपाठी, फार्मासिस्ट ओमकार पटेल, सी.एच.ओ. शीबा लाल मसीह, ए.एन.एम. संगीता सेन, आशा सुपरवाईजर दीपा चौबे एवं आशा कार्यकर्ता खौजाखेडी स्थानीय जन-प्रतिनिधि और बडी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। राज्यमंत्री पटेल द्वारा उप-स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण हेतु जमीन दानदाता काशी राम पटेल वकील साब का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं अभार डॉ. जतिन दुवे बी.एम.ओ. पथरिया द्वारा किया गया।

विजय शाह के समर्थन में छात्र संघ, माफी स्वीकार करते हुए क्षमा किया जाए

दमोह देशबन्धु। दमोह जिला मुख्यालय पर दोपहर 2 बजे अनुसूचित जाति जनजाति छात्र संघ जिला दमोह के तत्वाधान में कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह के समर्थन में दमोह कलेक्ट्रेट में जोरदार प्रदर्शन व रैली का आयोजन किया गया जिसमें छात्रा संघ ने मांग की है कि कुंवर विजय शाह के द्वारा एक भाषाई भूल हुई थी। जिसे बाद में बढ़ा चढ़ाकर परोसा गया। जिससे मंत्री विजय शाह के विरोध में माहौल तैयार हुआ । मंत्री शाह द्वारा दिए गए बयान पर उन्होंने खुद चार चार दफा माफी मांगी है लेकिन इसके बावजूद उनको ट्रोल किया जा रहा है जो कि इनके प्रति अपनाए जा रहे भेदभाव पूर्ण रवैए का उदाहरण है। कुंवर विजय शाह आदिवासी समाज के एक प्रतिष्ठित व्यक्ति है जिन्होंने इस वर्ग के साथ राष्ट्र हित में अनेकों योगदान दिए हैं और समाज के सर्वांगीण विकाश में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। देखने में आ रहा है कि कहीं न कहीं उनके आदिवासी समाज से होने से उनके नेतृत्वत को दबाने के लिए उनको पद से हटाने का प्रयास किया जा रहा है जो कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है । छात्र संघ ने मंत्री शाह द्वारा मांगी गई माफी को स्वीकार करते हुए इस प्रकरण को समाप्त किए जाने की मांग की है। इस दौरान छात्र संघ के जिला अध्यक्ष सौबरन मेहरा जिला उपाध्यक्ष सुनील शाह ऐडाली, साहिल कुमार भारती निखिल, सोनू महेंद्र राजेंद्र रज्जू चंदन अर्जुन बंटू मनोज राजा आशीष संजय तरवर अहिरवार भीकम हेमराज आकाश प्रजापति करोड़ी लोटन, गनपत तेकाम, सुशील मरावी, सुनील ठाकुर, विपिन धुर्वे, आदि सैकड़ों छात्रों की उपस्थिति रही।

बाइक सवार 3 युवक पुल से नीचे गिरे, दर्दनाक मौत

दमोह/तेन्दुखेड़ा देशबन्धु। शुक्रवार की देर-रात 10 बजे तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत सागर जबलपुर स्टेट हाईवे पर स्थित व्यारमा नदी के टूटे पड़े पुल के नीचे गिरने से तीन बाइक सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो जाने का घटनाक्रम सामने आया है। घटना की सूचना मिलते पुलिस मौके पर पहुंची। सूत्रों द्वारा मिली जानकारी अनुसार मृतक की पहचान अजय पिता दारा सिंह घोषी उम्र 21 वर्ष, अमित पिता दुर्गा कुर्मी उम्र 21 वर्ष, पवन पिता प्रकाश कर्मी 22 वर्ष के रूप में हुई है तीनों मृतक छिरारी थाना रहली जिला सागर के निवासी हैं जो तारादेही थाना क्षेत्र के समनापुर ग्राम में शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाइक से आ रहे थे।

लेकिन तेज रफ्तार बाइक बारिश में बहे पुल के नीचे जा गिरी और तीनों युवक की मौके पर मौत हो गई। थाना प्रभारी रावेन्द्र बागरी ने बताया कि तीन युवकों की मौत हुई है तीनों की पहचान छिरारी गांव के रुप में की गई है शवों को उठवाकर स्वास्थ्य केंद्र में रखवाया गया जिनका पोस्टमार्टम कराया जाएगा और जानकारी ली जा रही है आपको बता दें तेज बारिश के कारण व्यारमा नदी का पुल बह गया था जिसके कारण दोनों ओर से आगमन बंद है और अन्य वाहन और राहगीर झापन इमलिया होते हुए झलौन तेंदूखेड़ा जबलपुर पहुंचते हैं लेकिन यह हादसा बिना सूचना और संकेत बोर्ड नहीं होने के कारण बाइक की तेज रफ्तार पर कंट्रोल नहीं करने के कारण सीधे बाइक सवार पुल के नीचे जा गिरे और तीनों की मौत हो गई।

गौशाला ने गिद्ध संरक्षण के लिए अपनाई सुरक्षित पशु-चिकित्सा पद्धतियाँ

पन्ना, देशबन्धु। मध्य प्रदेश वन विभाग के दक्षिण पन्ना वनमण्डल द्वारा गिद्ध संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु 'वल्चर फ्रेंडली गौशाला' प्रमाणन पहल शुरू की गई है। इस पहल का उद्देश्य गौशालाओं में ऐसी पशु-चिकित्सा एवं प्रबंधन पद्धतियों को सुनिश्चित करना है, जिनसे गिद्धों को हानिकारक दवाओं के अवशेषों से होने वाले खतरे से बचाया जा सके और उनके प्राकृतिक संरक्षण को मजबूती मिले। इस पहल के अंतर्गत पवई स्थित श्री विद्यासागर गौशाला दक्षिण पन्ना वनमण्डल की पहली स्व-प्रमाणित 'वल्चर फ्रेंडली गौशाला' बनी है। गौशाला की ओर से यह स्व-प्रमाणन पत्र श्री विद्यासागर गौ रक्षा एवं संवर्धन समिति के अध्यक्ष नितिन कुमार जैन द्वारा हस्ताक्षरित किया गया है, जिसमें गिद्ध संरक्षण के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। स्व-प्रमाणन के अनुसार गौशाला में पशुओं के उपचार, देखरेख एवं प्रबंधन में केवल गिद्धों के लिए सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल पद्धतियों का पालन किया जाता है। गौशाला प्रबंधन ने यह सुनिश्चित किया है कि जैसी गिद्धों के लिए घातक प्रतिबंधित दवाओं का उपयोग नहीं किया जाएगा। आवश्यकता होने पर केवल सुरक्षित दवाएं ही पंजीकृत पशु चिकित्सक की सलाह से प्रयोग की जाएंगी तथा मृत पशुओं के निस्तारण में भी ऐसी व्यवस्था अपनाई जाएगी जिससे गिद्धों को हानिकारक अवशेष न मिलें। इसके साथ ही गौशाला द्वारा गिद्ध संरक्षण से संबंधित जागरूकता कार्यक्रमों में भागीदारी, ग्रामीणों एवं गौसेवकों को सुरक्षित दवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित करना तथा वन विभाग के संरक्षण प्रयासों में सहयोग करने की सतत प्रतिबद्धता भी जताई गई है। वन विभाग को आशा है कि इस पहल से अन्य गौशालाएं भी प्रेरित होंगी और क्षेत्र में गिद्ध संरक्षण के प्रयासों को व्यापक जनसहयोग प्राप्त होगा।

विंध्याचल एक्सप्रेस का पुनः पथरिया स्टापेज शुरू हुआ

दमोह/पथरिया देशबन्धु। कोरोना काल 22 मार्च 2020 में ट्रेनों का संचालन बंद हो गया जिसके कुछ माह बाद पुनः शुरू तो हो गई लेकिन पथरिया में 6 ट्रेनों का स्टापेज कर दिया जिसमें करीब 3 वर्ष बाद 5 ट्रेनों का पुनः स्टापेज शुरू हो गया पर भोपाल इटारसी विंध्याचल एक्सप्रेस का स्टापेज नही मिला जिससे करीब 5 वर्ष से बिना रूके निकल रही थी जबकि अन्य छोटे स्टेशनों पर स्टापेज शुरू कर दिया गया। क्षेत्रीय सांसद के प्रयास से विगत अगस्त माह में रेल्वे बोर्ड से स्वीकृति मिल गई लेकिन करीब 5 महीने बाद मंडल द्वारा स्वीकृति दी गई जिससे अब 13 फरवरी से पथरिया में स्टापेज शुरू हो गया।

पुलवामा शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

पन्ना, देशबन्धु। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए भारत के वीर जवानों की स्मृति में आज पन्ना शहर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। सतना बैरियल के पास स्थित सत्यम पैलेस में बड़ी संख्या में नागरिक एकत्रित हुए।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने कैंडिल जलाकर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा दो मिनट का मौन धारण कर उनके बलिदान को नमन किय।

यह श्रद्धांजलि कार्यक्रम वरिष्ठ श्री सीताराम पटेरिया एवं श्री राजीव तिवारी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि पुलवामा में शहीद हुए वीर सपूतों का बलिदान देश कभी नहीं भूलेगा। हम सभी का कर्तव्य है कि उनके आदर्शों पर चलते हुए राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत करें।

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर 12 ज्योर्तिलिंगम की स्थापना की गई

दमोह देशबन्धु। प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविधालय जटाशंकर धाम दमोह के द्वारा सेवा केन्द्र के गोल्डन जब्ली समारोह पर सेवा केन्द्र में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर वारह ज्योर्तिलिंगम की स्थापना शनिवार को की गई है, अब स्नेही भक्तजन वारह तीर्थो का आनंद एक ही स्थान पर ले सकेंगे, ये द्वादश स्थापना भगवान शिव परमात्मा के अवतरण के कर्तव्य वाचक व गुण वाचक नाम है, आज सुबह 9:00 बजे शिव ध्वजा रोहण के वाद द्वादश मंदिरो का उद्घाटन कार्यक्रम हुआ शिव आरती की गई एवं महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक यथार्थ रहस्य पर प्रकाश डाला गया।

अतिथियों का सम्मान एवं उद्बोधन भी रहा, कार्यक्रम का विशेष आकर्षण द्वादश भोलेनाथ की मूर्तियों को वारह कारो पर विराजित कर शहर में शोभा कलश यात्रा निकाली गई शहर के हजारो लोगों ने दर्शन लाभ लिया एवं पूजन किया, वीडियों बनायें शिव के जय-जय कारो से शहर गूंज गया दोपहर यात्रा वापिस जटाशंकर धाम में समाप्त हुई, और जिसमें पुलिस की उत्तम व्यवस्था के कारण शोभा यात्रा निर्विघ्न सम्पन्न हुई।

ग्राम बरखेड़ा में हुआ दर्दनाक हादसा

जनपद सदस्य को कार ने मारी टक्कर, 40 मीटर तक घसीटा, मौत

संवाददाता ओबेदुल्लागंज। औबेदुल्लागंज थाना क्षेत्र के ग्राम बरखेडा में गुरुवार रात करीब 9 बजे तेज रफ्तार कार की टक्कर से जनपद सदस्य अनूप कुमार भलावी (34), निवासी बांसगहन की मौत हो गई। वह दोस्त आरिफ के साथ मोटरसाइकिल (एमपी 38 एम ओ 4056) से सड़क पार कर रहे थे। उसी दौरान मोड़पर तेज रफ्तार कार (एमपी 04 जेडबी 5360) ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर में आरिफ गिरकर घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि कार चालक अनूप को करीब 40 मीटर तक घसीटता ले गया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पास के लोगों ने बताया कि जनता ने अपने निजी कारणों से रोड पर बने डिवाइडरों को तोड़ दिया है जिससे तेज रफ्तार वाहनों के सामने अचानक जानवर या रोड पर करने वाले इत्यादि आ जाते है। घटना स्थल पर सर्विस रोड की स्ट्रीट लाइटें महीनों से बंद होने के कारण चारों ओर अंधेरा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर प्रकाश व्यवस्था समुचित नहीं होने से पहले भी हादसे होते रहे हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। औपचारिकताएं पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विकसित भारत आधे जवडे के साथ नहीं वन सकता : डॉ प्रशांत जैन

- **कैंसर से बचाव के लिए लाइफस्टाइल बदलना जरूरी है।**

दमोह देशबन्धु। इंडियन डेंटल एसोसिएशन संगठन के तत्वाधान में विगत दिवस एक निजी क्लव में कैंसर रोग संबंधी सीएमई कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन का आयोजन हुआ जिसमें टाटा मेमोरियल मुंबई से प्रशिक्षित व जबलपुर से आए डॉक्टर प्रशांत जैन कैंसर रोग विशेषज्ञ ने कैंसर संबंधित अपने विचार साझा किया। उन्होंने बताया कि कैंसर रोग तेजी से बढ़ रहा है उन्होंने बताया कि कैंसर लाइफस्टाइल डिजीज है और इसमें तंबाकू गुटके और शराव का सेवन प्रमुख कारण है। जिसके कारण कैंसर होता है। उन्होंने बताया कि कैंसर का इलाज आज मॉलिकुलर लेवल पर जानकर संभव है इसीलिए कैंसर का समय पर डायग्नोस कैंसर के निदान में प्रभावी साबित होता है। आयुष्मान कार्ड की योजना से इस बीमारी का उपचार निशुल्क उपलब्ध है उन्होंने अपील की कि लोग तंबाकू गुटके से दूरी बनाए और स्वस्थ जीवन शैली को अपनाये। उन्होंने यह भी बताया है कि कैंसर का डायग्नोस बायोप्सी से होता है और बायोप्सी से डरना नहीं है।

लोगों में एक मिथ है कि बायोप्सी से कैंसर फैलता है जवकि बायोप्सी कैंसर को कंफर्म करने की एक इन्वेस्टिगेशन मात्र है। इस सीएमई में इंडियन डेंटल एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ नवीन दुबे, वरिष्ठ सदस्य डॉ एम एस छाबड़ा, डॉक्टर अली असगर, डॉ संजय पालीवाल, डॉक्टर नीना विलियमसन और सभी सदस्य उपस्थित रहे।

हरे मंडप के नीचे हुआ हल्दी फलदान आज निकलेगी बारात

सागर, देशबन्धु। तिली रोड बैंक कॉलोनी स्थित भगवान पशुपतिनाथ मंदिर में शनिवार को भोलेनाथ के ऊपर हरा मंडप सजाया गया हल्दी और टीका फलदान की रस्म के साथ सभी भक्तों ने कच्ची पंगत प्रसादी ग्रहण की। पं. शिवप्रसाद तिवारी ने बताया कि भगवान के वैवाहिक कार्यक्रम के तहत कल शनिवार को प्रात: 10 बजे मंडप सजाया गया, 12 बजे पशुपतिनाथ को हल्दी चंदन का लेपन किया गया, 1 बजे मंदिर समिति के अध्यक्ष केसी व्यास द्वारा टीका फलदान की रस्म अदा की गई, शाम 6बजे से मड़वा की पंगत के तहत कच्चा भोजन सभी श्रद्धालुओं को परोसा गया पंगत देर रात्रि तक चलती रही। आज शिवरात्रि पर्व पर प्रात: 5 बजे से अभिषेक पूजन प्रारंभ होगा जो अलग-अलग पालियों में दोपहर 2 बजे तक चलेगा, 2.30 बजे हवन पूर्णाहुति होगी, शाम 5 बजे पशुपतिनाथ का मांगलिक श्रृंगार किया जायेगा, 6 बजे बारात मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर बालक हिलव्यू, इंद्रप्रस्थ, बसंत बिहार, जियामापुरम होते हुये मेडिकल कॉलेज स्थित मृत्युजंय महादेव मंदिर पहुंचेगी जहां विवाह कार्यक्रम संपन्न होगा।

रहली-जबलपुर मार्ग पर देर रात एक भीषण दर्दनाक सड़क हादसा, छिरारी ग्राम के तीन नव युवकों की मौत

रहली, देशबन्धु। जबलपुर रहली स्टेट हाइवे पर व्यारमा नदी के टूटे पड़े पुल के बाजू से स्टापडेम से निकलने के दौरान बाइक गिरने के कारण तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा देर रात को हुआ, जब तीनों युवक रहली के ग्राम छिरारी से बारात में शामिल होने के लिये तेंदूखेड़ा के तारादेही सामनापुर क्षेत्र की ओर जा रहे थे। मृतकों की पहचान अजय घोषी 21 वर्ष, अमित कुर्मी 21 वर्ष और पवन कुर्मी 22 वर्ष के रूप में हुई है। तीनों युवक रहली के छिरारी गांव थाना रहली के निवासी थे, दरअसल बरसात में तेज बारिश के कारण व्यारमा नदी का पुल पहले ही बह गया था और मार्ग दोनों ओर से बंद है। इसके बावजूद पुल के पास कोई सूचना बोर्ड, संकेतक या बैरिकेडिंग नहीं की गई हैं, अंधेरा और तेज रफ्तार के कारण वाहन सवारों को पुल टूटने की जानकारी नहीं मिलती जिसका खामियाजा इन तीनों नौजवानों को भुगतना पड़ा वे पुल के बाजू से नीचे जा गिरे। हादसे की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय पुलिस मौके पर पहुंची जब तक तीन युवकों की मौत हो चुकी थी, वही घटना के बाद स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल टूटने के बाद से ही प्रशासन द्वारा कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। यदि समय रहते संकेत बोर्ड, बैरिकेडिंग और सुरक्षा इंतजाम किये जाते तो यह हादसा टल सकता था, घटना की सूचना मिलते ही पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव ने दमोह एसपी से फोन पर बात की और मृतको के शव को व्यवस्थित अस्पताल में सुरक्षित करवाया सुबह शवों का पोस्ट मार्टम हुआ और शव परिजनों के सुपुर्द किये गये, ग्राम में मातम का माहौल रहा शवों के अंतिम संस्कार में भाजपा नेता अभिषेक भार्गव सहित कई जनप्रतिनिधि वा ग्रामवासी शामिल हुये।

भगवान भोले शंकर की बारात का शताब्दी वर्ष, आज निकलेगा भव्य चल समारोह

सागर, देशबन्धु। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर नगर में भगवान भोले शंकर की बारात उत्सव का 100 वां शताब्दी वर्ष अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और धूमधाम से मनाया जायेगा। आयोजन समिति ने समस्त श्रद्धालु जनता से अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है। आज भगवान शिव की भव्य बारात का चल समारोह दोपहर 1 बजे से प्रारंभ होगा। बारात का शुभारंभ श्री देव मारकंडेश्वर मंदिर पुरानी गल्ला मंडी से होगा। चल समारोह में भगवान शिव की पालकी, साउंड सर्विस, राधा-कृष्ण की झांकी, घोड़ा गाड़ी, नित्य मंडली, भजन मंडली, पारंपरिक बाजे तथा बड़ी संख्या में शिवभक्त शामिल होंगे। बारात नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई अंत में श्री देव नागेश्वर मंदिर में संपन्न होगी। समस्त धार्मिक अनुष्ठान एवं कार्यक्रम नागेश्वर मंदिर परिसर में आयोजित किये जायेंगे। इसके पश्चात कल विदाई समारोह आयोजित किया जायेगा, जिसमें बारात नागेश्वर मंदिर से पुन: मारकंडेश्वर मंदिर पहुंचेगी। समिति के प्रमुख पदाधिकारियों में अध्यक्ष सत्यम गुजरिया, उपाध्यक्ष शंकर पांडे रम्मू पंडा, सचिव विकास ताम्रकार, कोषाध्यक्ष उमा सोनी, महामंत्री यश ताम्रकार शामिल हैं।

चनौआ और निवारी 65-65 लाख की लागत से उप स्वास्थ्य केंद्र का भूमिपूजन

पूर्व मंत्री ने किया शिलान्यास, 24 घंटे स्वास्थ्य सेवायें मिलने की उम्मीद

रहली, देशबन्धु। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा 65-65 लाख रुपये की लागत से चनौआ ओर निवारी अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित उप स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन व शिलान्यास पूर्व मंत्री एवं विधायक गोपाल भार्गव द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये विधायक गोपाल भार्गव ने कहा कि क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि छोटे-छोटे इलाज के लिये लोगों को बाहर जाना पड़ता है और कई बार साधारण बीमारी भी गंभीर रूप ले लेती है। रात में यदि किसी को पेट दर्द या अन्य परेशानी होती है और समय पर इलाज नहीं मिलता, तो वह बेहद दुखद स्थिति होती है। इस उप स्वास्थ्य केंद्र के शुरू होने से ऐसी समस्याओं का समाधान होगा। यहां डॉक्टर और नर्स 24 घंटे सेवायें देंगे, उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में छीरारी के तीन नौजवान बच्चों के स्वर्गवास की घटना क्षेत्र के लिये अत्यंत दुखद रही है। यह कार्यक्रम पूर्व से निर्धारित था। उन्होंने पहले कार्यक्रम को स्थगित करने की बात कही थी, लेकिन निर्माण कार्य में पहले से देरी हो रही थी, इसलिये औपचारिक रूप से भूमिपूजन किया गया। उन्होंने आश्वासन दिया कि भवन निर्माण पूर्ण होने के बाद भव्य लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम के उपरान्त मृतक बच्चों को 2 मिनिट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिये प्रार्थना की। कार्यक्रम में राजेंद्र जारोलिया, संजय दुबे, सुरेश कपास्या, मनोज तिवारी, एसडीएम कुलदीप पाराशर, भरत सिंह सेमरा, महेश कोरी, संतोष कुर्मी, दीपक कौतु, छोटू कुर्मी, अनिल जैन, अनीता पटेल, बीएमओ सुयश सिंघई सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे।

विवेक के परिजन को 50 लाख की सहायता दिलाने की मांग

बारात में गोली लगने से हुई थी नाबालिग की मौत, आज बैंड बंद रखेगा समाज

सागर, देशबन्धु। शादी समारोह के दौरान गोली लगने से हुई बैंड वादक की मौत के मामले में अखिल भारतीय धानक समाज संगठन ने मोर्चा खोल दिया है। शनिवार को समाज के लोगों ने एसपी कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और ज्ञापन सौंपा। संगठन ने रविवार को पूरे सागर जिले में बैंड बंद हड़ताल रखने का ऐलान किया है। उन्होंने मृतक विवेक बंसल के परिवार को 50 लाख रुपये मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। वारदात के विरोध में समाज ने रविवार को शहर समेत पूरे सागर जिले में बैंड बंद रखने का आह्वान किया है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि रविवार को समाज के लोग मृतक विवेक को कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धांजलि देंगे। इस दौरान जिले में कोई भी बैंड पार्टी शादी या अन्य किसी कार्यक्रम में बैंड नहीं बजायेगी। ज्ञापन में बताया गया कि 12 फरवरी को मयंक सोनी के परिवार में शादी का ऑर्डर था। श्रीराम धमाल वालों की 16 सदस्यीय टीम वहां बैंड बजाने पहुंची थी। जब बारात निकल रही थी, तभी गोलाकुआं के पास अनमोल सोनी, प्रशांत पटेल समेत अन्य लोग समूह में पिस्टल लहराते हुये आये। गाना बजाने की बात को लेकर विवाद हुआ और गोली मार दी गई। इस घटना में विवेक की मौत हो गई। समाज के लोगों ने बताया कि मृतक विवेक बंसल का परिवार आर्थिक रूप से बहुत कमजोर है। विवेक ही अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी मौत से परिवार पर संकट आ गया है। समाज में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। उन्होंने मांग की है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाये, ताकि भविष्य में ऐसी घटना न हो। एडिशनल एसपी लोकेश सिंहा ने समाज के लोगों को मामले में सख्त कार्यवाही किये जाने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा जांच के दौरान जो भी साक्ष्य सामने आयें, उसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

ट्रांसमिशन टावर से 170 मीटर तार चोरी, पुलिस ने 2 लाख कीमत का तार बरामद कर चार आरोपी दबोचे

सागर, देशबन्धु। बहरोल थाना पुलिस ने शनिवार को बिजली लाइन के तार चोरी करने वाला गिरोह पकड़ा है। आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया तार जब्त किया गया है। थाने लाकर आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने विद्युत ट्रांसमिशन टावर लाइन से करीब 170 मीटर तार चोरी किया था। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1.5 से 2 लाख रुपये थी। मामले की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया, आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। लोकेशन मिलते ही विनायका क्षेत्र में दबिश देकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम श्याम मिलन दांगी पिता जयसिंह दांगी उम्र 27 वर्ष, भगवान सिंह पिता गोविंद लोधी 25 वर्ष, विजय सिंह पिता रंधीर सिंह दांगी 23 वर्ष और प्रवेश पिता अमोल सिंह लोधी 21 वर्ष सभी निवासी ग्राम भूसाकमलपुर विनायका होना बताया। थाने लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों के कब्जे से चोरी गया तार जब्त किया गया। बहरोल थाना प्रभारी धर्मेंद्र लोधी ने बताया कि तार चोरी के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया है।

टीकमगढ़ रोड पर शिवपुरी के पास हुआ दर्दनाक सड़क हादसा

हादसे में बाईक सवार पत्नि की मौत पति और बहु घायल

शाहगढ़, देशबन्धु। शनिवार की सुबह हुये भीषण सड़क हादसे में बाईक सवार महिला की मौत हो गई वही दो गंभीर रूप से घायल हो गये जिनका उपचार सागर जिला अस्पताल में चल रहा है। जानकारी अनुसार घुवारा के कुटौरा निवासी 45 वर्षीय बबलू घोसी रिश्तेदारी में बाईक से वक्सवाहा आ रहे थे बाईक पर उनकी पत्नि 40 वर्षीय रेखा और 25 वर्षीय बहू शुभि पति रानू घोषी भी बैठी थी, शाहगढ़ से महज पांच किलोमीटर दूर स्थित शिवपुरी गांव के पास सामने से तेज गति से आ रहे एमपी 15 जेड के 9076 वाहन के चालक ने लापरवाही पूर्वक बाईक में टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर से बाईक सवार घोषी परिवार सड़क से दूर जा गिराये। वहीं वाहन भी सड़क मार्ग से नीचे की ओर अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया। हादसे को अंजाम देकर वाहन का चालक मौके से भाग गया। मौके पर पहुंचे राहगीरों ने डायल 112को फोन कर उन्हें शाहगढ़ अस्पताल लाया गया, जहां पर तीनों की हालत गंभीर होने पर एंबुलेंस से जिला अस्पताल रेफर किया गया लेकिन रास्ते में ही रेखा बाई ने दम तोड़ दिया और सागर के निजी अस्पताल में भर्ती दोनों की भी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है।

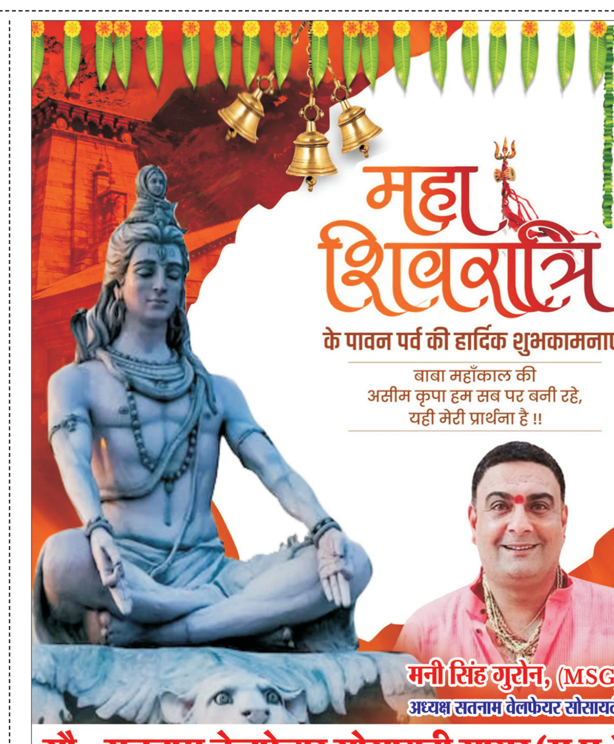

नवपदस्थ आयुक्त जनसंपर्क मनीष सिंह ने संभाला पदभार

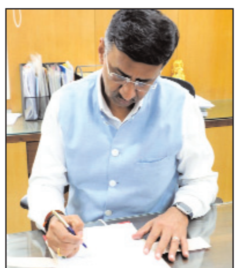

सागर, देशबन्धु। नवपदस्थ आयुक्त जनसम्पर्क एवं प्रबंध संचालक, मप्र माध्यम मनीष सिंह ने शनिवार को जनसंपर्क संचालनालय में विधिवत रूप से पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया।

संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत बैठक संपन्न

सागर, देशबन्धु। पं. दीनदयाल उपाध्याय शास. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत प्राचार्य डॉ. सरोज गुप्ता के मार्गदर्शन में बैठक आयोजित की गई। महाविद्यालय स्तर में विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु चरणवार संकल्प से समाधान अभियान 12 जनवरी से प्रारंभ होकर 31 मार्च तक चलाया जा रहा है। इस बैठक में अभियान के प्रभारी जिला कलेक्टर द्वारा नामित जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द जैन उपस्थित रहे। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. गुप्ता ने उक्त अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु महाविद्यालय स्तरीय समिति डॉ. विकाश चन्द्र त्रिपाठी संयोजक एवं समिति सदस्य डॉ. देवेंद्र सिंह ठाकुर, डॉ. अवधेश प्रताप सिंह, अनुष्का राजे द्वारा महाविद्यालय में चलाये जा रहे विशेष समाधान शिविरों एवं अन्य कार्यक्रमों जैसे जन सुनवाई, हेल्पडेस्क, सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का त्वरित निराकरण एवं विद्यार्थियों के स्वास्थ्य समस्याओं से संबंधित कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की गई। बैठक में श्री जैन द्वारा आगामी चरण हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये। बैठक में अभय श्रीवास्तव योजना अधिकारी ने सीएम हेल्प लाइन समाधान हेतु विद्यार्थियों से सम्पर्क करने की बात कही। इस अवसर पर डॉ. विनय शर्मा, डॉ. अमर कुमार जैन, डॉ. राना कुंजर सिंह, डॉ. प्रकाश कुशवाहा, डॉ. रेणु सोलंकी संजीव खटीक, चन्द्रप्रकाश पांडे आदि उपस्थित रहे।

शिवसेना ने वेलेंटाइन-डे के विरोध में रैली निकाल किया अश्लीलता का पुतला दहन, पुलवामा के शहीदों को किये श्रद्धासुमन अर्पित

सागर, देशबन्धु। शिवसेना संगठन के वेलेंटाइन-डे के विरोध में जोरदार प्रदर्शन के चलते शहर के पार्कों व रेस्टोरेंटो में सन्नाटा छाया रहा सुबह से ही शिवसेना की टोलिया राजघाट, वाटर पार्क, अटल पार्क, विश्वविद्यालय आदि सहित मनचले आशिकों के स्थलों पर निगरानी के लिये घूमती रही। जहां छूट पुट प्रेमी युगलो के मिलने पर समझाइश लेकर छोड़ दिया गया। शिवसेना संगठन की वाहन रैली मकरोनिया से प्रारंभ हुई जो नगर के प्रमुख मार्गो से होता हुई सिविल स्थित शहीद कालीचरण चौराह पहुंची जहां पैदल मार्च के साथ वेलेंटाइन-डे रूपी अश्लीलता का पुतला दहन किया। रैली में शिवसेनिक वेलेंटाइन-डे के खिलाफ गगन भेदी उद्घोष के साथ चल रहे थे। तदोपरांत शहीद कालीचरण की प्रतिमा पर पुलवामा के 44 अमर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि की गई। शिवसेना उप राज्य प्रमुख पप्पू तिवारी ने कहा कि शिवसेना संगठन ने 2 दिन पहले दंडपूजन कर वेलेंटाइन-डे का शक्ति से विरोध करने की चेतावनी दी थी जिसके चलते अश्लील हरकते करने वाले युगल रेस्टोरेंट पार्कों से नदारत रहे कुछ पार्क व रेस्टोरेंटो में माफी मांगने पर प्रेमी युगल को छोड़ा गया। जिला दीपक सिंह ने रैली के दौरान रेस्टोरेंट कैफे संचालकों को सख्त हिदायत दी की किसी भी ऐसे मनचलों को प्रवेश मत देना को अश्लीलता फैलाया अगर अश्लीलता करते पासे जाते है तो आपके रेस्टोरेंट को क्षति हो सकती है। शिवसेना जिला प्रभारी विकास सिंह ने पार्कों प्रेमी स्थलों पर पुलिस के पुख्ता इंतजाम पर आभार मानते हुये कहा कि शिवसेना संगठन प्रेम का नहीं बल्कि वेलेंटाइन-डे की आड़ मे अश्लीलता फैलने वालो खिलाफ है। वेलेंटाइन-डे का विरोध करने वालों में शिवशंकर दुबे, सचिन जैन, धर्मेंद्र यादव, हितेंद्र ठाकुर, अथर्व द्विवेदी, ज्ञानी विश्वकर्मा, पंकज दुबे, आशुतोष तिवारी, महेश साहू, अमर यादव, रमन उपाध्याय, शंशाक कोष्टी, अजय बुंदेला, राहुल, विठ्ठल, दीपक चौधरी, चुटकी रजक, अनुज तिवारी, आदर्श, राजेन्द्र दुबे सहित बड़ी संख्या में शिवसेनिक उपस्थित थे।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली***
प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन**- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।